मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 30 मई 2026

संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ शुक्ल 14 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 255, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ सूरज के तीखे होते तेवर और अल-नीनो

प्रियंका-महेश बाबू की बड़ी तैयारी ◀◀ 6

एसआरएस की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

झारखंड व पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा बाल विवाह, दिल्ली-केरल में आंकड़ा शून्य के करीब

नई दिल्ली : लड़कियों की उच्च शिक्षा और देर से शादी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे तमाम देशव्यापी अभियानों और सख्त कानूनों के बावजूद भारत के कई राज्यों में बाल विवाह की कुप्रथा आज भी पैर पसारे हुए है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की सांख्यिकीय रिपोर्ट 2024 के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल और झारखंड में आज भी देश भर में सबसे अधिक बाल विवाह हो रहे हैं। इन राज्यों में कानून को ठेंगा दिखाकर बड़ी संख्या में लड़कियों की शादी 18 साल की कानूनी उम्र पूरी होने से पहले ही की जा रही है।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी इस आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रीय स्तर पर जहां जागरूक समाज के कारण महिलाओं की शादी की औसत उम्र बढ़कर 23.1 साल तक पहुंच गई है और 73.5 प्रतिशत महिलाएं 21 साल की उम्र पार करने के बाद शादी कर रही हैं, वहीं पूर्वी और मध्य भारत के कुछ राज्यों में यह सामाजिक समस्या आज भी बेहद गंभीर बनी हुई है।

देश में हर चौथी लड़की की शादी 21 साल से कम उम्र में: रिपोर्ट के राष्ट्रीय आंकड़ों पर गौर करें तो साल 2024 में शादी के बंधन में बंधने वाली कुल महिलाओं में से 2.1 प्रतिशत लड़कियां 18 साल से कम उम्र की थीं। वहीं, 24.5 प्रतिशत लड़कियों ने 18 से 20 साल की उम्र के बीच फेरे लिए। कुल मिलाकर देखा जाए तो साल 2024 के दौरान भारत में हर चार में से एक से ज्यादा महिला ने 21 साल की उम्र पूरी करने से पहले ही शादी कर ली, जो महिला सशक्तिकरण के दावों के बीच एक चिंताजनक पहलू है।

बाल विवाह में पश्चिम बंगाल नंबर वन, झारखंड दूसरे स्थान पर: आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पश्चिम बंगाल में 18 साल से कम उम्र में ब्याही जाने वाली लड़कियों का अनुपात पूरे देश में सबसे ज्यादा 6.3 प्रतिशत दर्ज किया गया है। इस शर्मनाक सूची में झारखंड 4.9 प्रतिशत के साथ दूसरे पायदान पर है। वहीं, छत्तीसगढ़ भी उन राज्यों में शामिल है जहां लड़कियों का एक बड़ा हिस्सा (2.9 प्रतिशत) 18 साल से पहले ही शादी के मंडप में बिठा दिया जाता है।

अगर ग्रामीण और शहरी भारत की तुलना करें, तो देश के ग्रामीण इलाकों में 18 साल की उम्र पूरी होने से पहले शादी करने वाली लड़कियों का अनुपात 2.4 प्रतिशत था, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 1.1 प्रतिशत रहा।

गांवों से ज्यादा पश्चिम बंगाल के शहरों में कुप्रथा का असर: इस रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला खुलासा पश्चिम बंगाल के शहरी क्षेत्रों को लेकर हुआ है। ग्रामीण इलाकों की बात करें तो पश्चिम बंगाल में बाल विवाह का अनुपात सबसे अधिक 5.9 प्रतिशत रहा, जिसके ठीक बाद झारखंड (5.8 प्रतिशत) का स्थान है। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि शहरी इलाकों में भी बाल विवाह के मामले में पश्चिम बंगाल पूरे देश में सबसे आगे है, जहां यह अनुपात 7.6 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा शहरी भारत के राष्ट्रीय औसत (1.1 प्रतिशत) के मुकाबले कई गुना ज्यादा है।

दिल्ली और केरल ने पेश की सबसे बेहतरीन नजीर : सकारात्मक पहलू यह है कि देश के कुछ राज्यों ने इस कुप्रथा पर पूरी तरह लगाम लगाने में कामयाबी हासिल की है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम के इस राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में देश की राजधानी दिल्ली में बाल विवाह का एक भी मामला (शून्य) सामने नहीं आया है। वहीं, साक्षरता के मामले में अग्रणी राज्य केरल में यह दर सबसे कम महज 0.04 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसके अलावा हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी बाल विवाह के आंकड़े बेहद न्यूनतम स्तर पर रहे।

स्वास्थ्य और सामाजिक विशेषज्ञों का साफ कहना है कि कम उम्र में शादी होने का सीधा और घातक असर लड़कियों की पढ़ाई बीच में ही छूटने, कम उम्र में मां बनने के कारण होने वाले शारीरिक खतरों और उनके व नवजात के खराब स्वास्थ्य के रूप में सामने आ रहा है, जिसे रोकने के लिए सामाजिक जागरूकता और कड़े प्रशासनिक कदमों की सख्त जरूरत है।

होने वाला कुछ बड़ा

ट्रंप ने बुलाई व्हाइट हाउस की आपात बैठक ईरान पर अंतिम निर्णायक फैसला आज

नई दिल्ली/एजेंसी: पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में अपने शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा सलाहकारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। इस बैठक में ईरान के साथ संभावित समझौते और युद्धविराम को आगे बढ़ाने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ चल रही बातचीत और प्रस्तावित समझौते पर अंतिम निर्धारण करना चाहते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों के बीच एक प्रारंभिक सहमति बनने की खबरें सामने आई हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, प्रस्तावित समझौते के तहत लगभग तीन महीने से चल रहे संघर्ष में लागू युद्धविराम को 60 दिनों के लिए और बढ़ाया जा सकता है।

इस अवधि के दौरान दोनों पक्ष ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर नई और विस्तृत वार्ता शुरू करेंगे। माना जा रहा है कि यह बातचीत भविष्य में व्यापक समझौते का आधार बन सकती है। इस घटनाक्रम के बीच ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इजराइल पर ईरान को अस्थिर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सैन्य और आर्थिक दबाव में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद अब विरोधी ताकतें ईरान के भीतर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने जनता से एकजुट रहने की अपील भी की। युद्धविराम के बावजूद हाल के दिनों में तनाव कम नहीं हुआ है। अमेरिकी सेना ने ईरान की ओर से दागे गए कई ड्रोन मार गिराने का दावा किया है और दक्षिणी ईरान में कुछ सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई भी की है। अमेरिका का कहना है कि ये कदम अंतरराष्ट्रीय नौवहन, विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक थे। वहीं ईरान ने इन्हें उकसावे वाली कार्रवाई बताया है।

मंईयां सम्मान योजना में फर्जीवाड़ा

जलडेगा का युवक महिला बनकर उठा रहा था योजना की राशि, बीडीओ ने कराया एफआईआर दर्ज

जलडेगा/सिमडेगा: झारखंड सरकार की मंईयां सम्मान योजना में जलडेगा प्रखंड से बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। टीनगिना पंचायत निवासी पंकज नाग पर फर्जी तरीके से महिला बनकर मंईयां सम्मान योजना की राशि उठाने का आरोप लगा है। मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक महकमे ने त्वरित कार्रवाई की। पिछले शनिवार को जेएसएलपीएस की महिलाओं द्वारा आयोजित वेरिफिकेशन कैंप में लाभुक सूची की जांच के दौरान पंकज नाग का नाम सूची में दर्ज मिला। जांच में खुलासा हुआ कि जून 2025 से मार्च 2026 तक उसके खाते में करीब 30 हजार रुपये की सम्मान राशि भेजी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जलडेगा बीडीओ डॉ. प्रवीण कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पंकज नाग और प्रज्ञा केंद्र संचालक कुमार चानक्य के खिलाफ जलडेगा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि सीएससी आईडी का इस्तेमाल कर योजना का ऑनलाइन आवेदन भरा गया था। प्रशासन ने आरोपी से 30 हजार रुपये की रिकवरी कर राशि नजारत में जमा करा दी है, वहीं संबंधित बैंक खाते को भी होल्ड कर दिया गया है। मामले में पंचायत सचिव से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। बीडीओ डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि मामले की जांच जारी है और जहां भी गड़बड़ी मिलेगी, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति मामला

फैक्ट फाइंडिंग कमिटी ने सरकार द्वारा पेश अभियर्थियों के डाटा में सुधार का दिया निर्देश

रांची : जेएसएससी नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े मामले में गठित वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमिटी ने सुनवाई की। शनिवार की सुनवाई के दौरान कमिटी ने माध्यमिक शिक्षा विभाग से जिलावार, विषयवार, श्रेणीवार विज्ञापित पदों की कुल संख्या और वर्तमान रिक्तियों की स्थिति प्रस्तुत करने के लिए कहा है। **नियुक्त उम्मीदवारों की सूची मांगी गई:** इसके साथ ही विभाग को 18.09.2019 से 02.08.2022 के बीच नियुक्त उम्मीदवारों की सूची भी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। वहीं विभाग को 15.12.2022 के बाद नियुक्त उम्मीदवारों की सूची भी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। **अधिवक्ताओं ने रखा पक्ष, 27 जून को होगी अगली सुनवाई:** सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता चंचल जैन, अधिवक्ता अमृतांश वत्स, अभिजीत इंद्र गुरु एवं अधिवक्ता अभिषेक कुमार ने पक्ष रखा। कमेटी ने अगली सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख निर्धारित की है। इस मामले की सुनवाई डोरंडा स्थित झारखंड हाईकोर्ट के पुराने भवन में हो रही है।

पेड़ से लटका मिला किशोरी का शव, सनसनी

पलामू : जिले के सदर थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय किशोरी का शव आम के पेड़ से लटका मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान सतपारा घटा निवासी और वार्ड पार्षद विजयपाल भगत की पुत्री सुशांति कुमारी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

सुबह शौच जाने की बात कहकर घर से निकली थी: परिजनों के अनुसार, सुशांति कुमारी आठवीं कक्षा की छात्रा थी। बताया गया कि वह अपनी मां सुहानी भगत के साथ डूमरडीह जिलिंगा जतरा गई थी। रात में दोनों घर लौट आए थे। इसके बाद सुशांति घर के बगल में सो गई थी। परिजनों ने बताया कि शनिवार तड़के करीब पांच बजे वह शौच जाने की बात कहकर घर से निकली थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिवार के लोगों को चिंता होने लगी।

आम चुनने गए लोगों ने देखा शव: इसी दौरान बगीचे में आम चुनने गए कुछ लोगों की नजर आम के पेड़ से लटके एक शव पर पड़ी। पास जाकर देखने पर पता चला कि वह सुशांति है। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों को सूचना दी गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम का माहौल है।

पुलिस ने शुरू की जांच: सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किशोरी ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के कारणों को लेकर कुछ स्पष्ट कहा जा सकेगा। घटना के बाद पूरे सतपारा घटा गांव में शोक की लहर है।

3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेगें डीके शिवकुमार, मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल

बेंगलुरु : कर्नाटक की राजनीति में जारी हलचल के बीच नेतृत्व परिवर्तन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उनके साथ 10 अन्य मंत्रियों के भी शपथ लेने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद 18 जून के बाद मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है।

सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा चुनाव के बाद कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। इस बीच राज्य सरकार में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं तेज हैं और कांग्रेस नेतृत्व शनिवार को होने वाली कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की महत्वपूर्ण बैठक की तैयारी में जुटा हुआ है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, डीके शिवकुमार की संभावित कैबिनेट में करीब 50 प्रतिशत नए चेहरों को जगह मिल सकती है। वहीं, कर्नाटक विधान परिषद में कांग्रेस के मुख्य सचेतक सलीम अहमद ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल गठन, क्षेत्रीय और सामाजिक (जातीय) प्रतिनिधित्व तथा संभावित उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति से जुड़े अंतिम फैसले सीएलपी बैठक के बाद कांग्रेस आलाकमान द्वारा लिए जाएंगे।

बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर औपचारिक घोषणा की जा सकती है। साथ ही शपथ ग्रहण समारोह की तारीख का भी ऐलान होने की उम्मीद है।

इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों के बाद अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शुक्रवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। हालांकि, नेतृत्व परिवर्तन और शपथ ग्रहण को लेकर अब तक कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राजनीतिक हलकों की नजरें अब सीएलपी बैठक और पार्टी आलाकमान के फैसले पर टिकी हैं।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 6 की मौत, 40 से अधिक घायल

नई दिल्ली: मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। शुक्रवार शाम को श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई है जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शनिवार (30 मई) को इस हादसे की आधिकारिक पुष्टि की है।

इस मौके पर अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना कर्णपाथर पुलिस थानाक्षेत्र के बिजजौरा गांव के पास हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 50 लोग सवार थे और चालक के वाहन पर से नियंत्रण खो देने के कारण यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार लोग पूजा के लिए पद्मनिया से बिजौरा गांव जा रहे थे। अधिकारी ने बताया कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार अन्यों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

इस बड़े हादसे पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर दुख साझा करते हुए कहा,बिजौरा गांव में श्रद्धालुओं को लेकर मंदिर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की असामयिक मृत्यु और कई नागरिकों के घायल होने की खबर अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं ईश्वर से घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। **पीड़ित परिवारों के लिए 4-4 लाख रुपये की आर्थिक मदद:** वहीं हादसे की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। सरकार की ओर से इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि दी जाएगी। इसके साथ ही प्रशासन को घायलों के मुफ्त और बेहतर इलाज के निर्देश जारी किए गए हैं।

जमीन विवाद में एक ही परिवार के 5 लोगों समेत 6 की हत्या, 2 गंभीर घायल

बेंगलुरु/विजयपुरा /एजेंसी: कर्नाटक के विजयपुरा जिले में जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। जिले के चडाचन पुलिस थाना क्षेत्र के गोविंदपुरा गांव में एक ही परिवार के 5 सदस्यों समेत 6 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबर्गी ने बताया कि घटना के पीछे 25 एकड़ जमीन को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद मुख्य कारण माना जा रहा है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, निराले परिवार ने हाल ही में नीवरगी के तेली परिवार से यह जमीन खरीदी थी। यह भूमि पिछले लगभग 15 वर्षों से विवादों में घिरी हुई थी, जिसके कारण तेली परिवार उस पर खेती नहीं कर पा रहा था।

जांच में यह भी सामने आया है कि भूमि विवाद का संबंध वर्ष 2015 में हुए एक हत्या मामले से हो सकता है। उस समय शिवानंद पाटिल नामक युवक की हत्या हुई थी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव लगातार बना हुआ था।

पुलिस के मुताबिक, जब निराले परिवार के सदस्य हाल ही में खरीदी गई जमीन पर कब्जा लेने पहुंचे, तभी उन पर हमला कर दिया गया। हमलावरों ने हंसिया और अन्य धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया। हमला इतना घातक था कि कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों ने गोलीबारी की आशंका भी जताई है, लेकिन पुलिस का कहना है कि अब तक शवों पर गोली लगने के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं। अधिकारियों के अनुसार, मौत के वास्तविक कारण और वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियारों की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। सामूहिक हत्याकांड के बाद पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल है। पुलिस प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सदर थाना की जेएसआई फिरदौस नाज बनी चतरा महिला थाना प्रभारी

चतराः चतरा पुलिस कप्तान अनिमेष नैथानी ने पुलिस विभाग में फेरबदल करते हुए शुक्रवार को सदर थाना में पदस्थापित जेएसआई फिरदौस नाज को महिला थाना प्रभारी बनाया। फिरदौस नाज ने निवर्तमान थाना प्रभारी सुषमा कुमारी से पदभार ग्रहण किया। 2018 बैच की नवपदस्थापित थाना प्रभारी फिरदौस नाज काफी तेजतर्रार और अनुभवी पुलिस पदाधिकारी मानी जाती हैं। चतरा आने से पूर्व श्रीमती नाज हुसैनाबाद और डालटनगंज सदर महिला थाना प्रभारी के पद पर रह चुकी हैं।

मानसून पूर्व डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम को लेकर समन्वय समिति की बैठक

चतराः समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में डेंगू एवं चिकनगुनिया नियंत्रण हेतु गठित जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला वीबीडी कंसल्टेंट अभिमन्यु कुमार द्वारा मानसून पूर्व डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम, प्रसार, लक्षण, जांच एवं उपचार से संबंधित विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि समय पर पहचान, जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से इन बीमारियों की रोकथाम प्रभावी ढंग से की जा सकती है।बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि मानसून के दौरान डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने आमजन से अपने घरों एवं आसपास जलजमाव नहीं होने देने की अपील करते हुए कहा कि डेंगू का मच्छर स्वच्छ एवं ठहरे हुए पानी में पनपता है। इसलिए कूलर, टायर, गमले, छत एवं अन्य स्थानों पर पानी जमा नहीं होने देना चाहिए।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर जागरूकता गतिविधियों को तेज करने तथा संभावित प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र अथवा अस्पताल में संपर्क करें तथा इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दें। डेंगू की जांच एवं उपचार की सुविधा जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध है।बैठक में डेंगू एवं चिकनगुनिया नियंत्रण को लेकर विभिन्न विभागों की भूमिका एवं तैयारियों की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष अताउर रहमान, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार , अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, पुलिस उपाधीक्षक चतरा, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला अग्निशमन पदाधिकारी, जिला उपाधीक्षक सदर अस्पताल, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छः महीने में ठप हुईं जलमीनारें, करोड़ों की योजना पर सवाल 10 टंकियां खराब, 6 से एक बूंद पानी नहीं निकला

चतराः केंद्र सरकार की जलापूर्ति योजना के तहत वर्ष 2021-22 में लमटा पंचायत के विभिन्न टोलों में स्थापित सोलर संचालित जलमीनारें आज ग्रामीणों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गई हैं।पंचायत की करीब 10 जलमीनारें खराब पड़ी हैं,जिनमें से 6 ऐसी हैं जो निर्माण के बाद कभी चालू ही नहीं हुईं और उनसे एक बूंद पानी तक ग्रामीणों को नहीं मिल सका।पंचायत समिति सदस्य रूबी देवी ने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चतरा के कार्यपालक अभियंता को पत्र लिखकर सभी खराब जलमीनारों की तत्काल मरम्मत और तकनीकी जांच कराने की मांग की है।इस अभियान में शिक्षक सह समाजसेवी अशोक कुमार पासवान भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।वही बीडीओ बिपिन कुमार भारती ने समस्या के समाधान के लिए प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिया है।

छः महीने बाद ही बंद हो गईं अधिकांश जलमीनारें: रूबी देवी द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि अधिकांश जलमीनार निर्माण के करीब छह माह बाद ही खराब हो गए। वर्तमान में पंचायत की लगभग सभी जलमीनारें बंद पड़ी हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि रखरखाव और निगरानी के अभाव में लाखों रुपये की लागत से बने ये ढांचे बेकार साबित हो रहे हैं।

भीषण गर्मी में पेयजल संकट गहराया: क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण जलस्तर नीचे चला गया है। ऐसे में ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिन योजनाओं से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद थी, वे ही वर्षों से बंद पड़ी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जलमीनारें चालू होतीं तो गर्मी के इस दौर में लोगों को काफी राहत मिलती।

सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी: ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सभी जलमीनारों की टंकियों को ऊपर से खुला छोड़ दिया गया था। इसके कारण टंकियों में पक्षियों के गिरने और मरने की घटनाएं सामने आईं। लोगों का कहना है कि यदि कोई असामाजिक तत्व टंकी में जहरीला पदार्थ डाल देता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। इससे योजना के निर्माण और रखरखाव में बरती गई लापरवाही भी उजागर होती है।

उपायुक्त को भी भेजी गई प्रतिलिपि: मामले की गंभीरता को देखते हुए आवेदन की प्रतिलिपि उपायुक्त, चतरा को भी भेजी गई है। पंचायत प्रतिनिधियों ने विभाग से मांग की है कि सभी जलमीनारों की तकनीकी जांच कर दोषी एजेंसियों और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाए तथा खराब योजनाओं को शीघ्र चालू कराया जाए।ग्रामीणों का कहना है कि जब एक-एक जलमीनार पर कई लाख रुपये खर्च किए गए, तो फिर अधिकांश योजनाएं छह माह के भीतर कैसे बंद हो गईं। आखिर जिन छह जलमीनारों से आज तक पानी नहीं निकला, उनकी गुणवत्ता और निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी। पेयजल संकट के बीच लमटा पंचायत के लोग अब विभागीय कार्रवाई और जलमीनारों के पुनः संचालन की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

झारखंड में आसमानी कहर

24 घंटे में वज्रपात से पांच की मौत, कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

24 घंटे में 8.6 डिग्री गिरा तापमान, 15 जून तक प्रदेश में मानसून की एंट्री संभव

संवाददाता

रांची : झारखंड के चार जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात (आकाशीय बिजली) की चपेट में आने से एक बच्ची और दो महिलाओं समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, गढ़वा जिले में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि रांची, धनबाद और बोकारो में एक-एक व्यक्ति की जान गई है। सभी मौतें वज्रपात की अलग-अलग घटनाओं में हुई हैं।

आम तोड़ने गई बच्ची पर गिरी बिजलीः रांची जिले के इटकी थाना क्षेत्र के कुल्ली गांव में 12 वर्षीय आश्रिता अपने माता-पिता के साथ आम बीनने गई थी। इसी दौरान उस पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में उसके माता-पिता भी घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

गढ़वा में दो लोगों की गई जानः गढ़वा जिले के कांडी थाना क्षेत्र के गराखुर्द गांव में 45 वर्षीय एक महिला की वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, बनाजंघा गांव में 32 वर्षीय एक व्यक्ति की भी बिजली गिरने से जान चली गई।

धनबाद और बोकारो में भी वज्रपात से मौतः धनबाद जिले के राजगंज थाना क्षेत्र के चुंगी गांव में 44 वर्षीय एक महिला की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। वहीं, बोकारो जिले के पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के बाबूडीह गांव में 21 वर्षीय एक युवक की वज्रपात की चपेट में आने से जान चली गई।

बारिश और वज्रपात से बदला मौसमः शुक्रवार को झारखंड के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश और वज्रपात हुआ, जो शनिवार सुबह तक जारी रहा। मौसम में आए इस बदलाव के कारण राज्यभर में अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

13 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारीः भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रांची, रामगढ़, बोकारो, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद और गोड्डा समेत 13 जिलों के लिए रविवार सुबह 8:30 बजे तक गरज-चमक और वज्रपात का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

दो ट्रफ सिस्टम के कारण बदला मौसमः रांची मौसम केंद्र के उपनिदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि मौसम में यह बदलाव दो ट्रफ सिस्टम के सक्रिय होने के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्यभर में अधिकतम तापमान में 7 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है।

अगले चार दिनों में बढ़ेगा तापमानः अभिषेक आनंद के अनुसार, अगले चार दिनों के दौरान झारखंड में तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। शुक्रवार को डाल्टनगंज में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.2 डिग्री कम था। वहीं, चाईबासा में 33.4 डिग्री और रांची में 27.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

झारखंड राज्यसभा चुनाव से पहले भाजपा सक्रिय 5 जून को दो दिवसीय दौरे पर आएंगे नितिन नवीन

संवाददाता

रांचीः झारखंड में आगामी 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल लगातार तेज होती जा रही है। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का 5 जून को दो दिवसीय झारखंड दौरा सियासी गलियारों में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है। उनके इस दौरे को राज्यसभा चुनाव की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि भाजपा अब चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है।

भाजपा नेताओं और विधायकों के साथ होंगी अहम बैठकें: जानकारी के अनुसार, नितिन नवीन अपने दौरे के दौरान

प्रदेश भाजपा नेताओं, विधायकों और संगठन पदाधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। इन बैठकों में राज्यसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा होगी। भाजपा के पास राज्यसभा चुनाव के लिए जरूरी स्पष्ट बहुमत नहीं है इसलिए यह दौरा पार्टी के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

सहयोगी दलों से भी साधा जाएगा संपर्कः सूत्रों के मुताबिक, भाजपा नेतृत्व चुनावी गणित को साधने के साथ-साथ सहयोगी दलों और संभावित समर्थन जुटाने पर भी फोकस कर रहा है। चर्चा है कि नितिन नवीन एनडीए के सहयोगी दलों – आजसू पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी और जनता दल यूनाइटेड के विधायकों के साथ भी बैठक कर सकते हैं। इसके अलावा भाजपा की कोर कमेटी और मंडल प्रभारियों के साथ संगठनात्मक बैठकों में आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और चुनावी रणनीति पर भी मंथन किया जाएगा।

बहुमत के आंकड़े ने बढ़ाई भाजपा की चिंताः गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के कुल 24 विधायक हैं, जबकि राज्यसभा चुनाव जीतने के लिए 28 वोटों की जरूरत है। ऐसे में भाजपा के सामने जरूरी समर्थन जुटाने की चुनौती बनी हुई है।

बाबूलाल मरांडी के बयान से बढ़ी सियासी चर्चाः नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के अंतरात्मा की आवाज पर मतदान वाले बयान ने भी राज्य की राजनीति को और गर्म कर दिया है। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्यसभा चुनाव से पहले भाजपा कोई बड़ा राजनीतिक दांव चल सकती है।

चतरा पुलिस लाइन में धमाकेदार वॉलीबॉल टूर्नामेंट

चतरा एसोसिएशन ने पुलिस टीम को 2-0 से रौंदा

संवाददाता

चतराः शुक्रवार को चतरा पुलिस लाइन में आर्ट ऑफ गिविंग के तहत एक दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। रोमांचक मुकाबले के बाद फाइनल में चतरा एसोसिएशन की टीम ने चतरा पुलिस टीम को 2-0 से करारी शिकस्त दी। टूर्नामेंट के फाइनल मैच में चतरा एसोसिएशन की टीम बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए पुलिस टीम पर पूरी तरह हावी रही। दोनों सेटों में एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने आक्रामक स्पाइक और मजबूत डिफेंस के साथ मैच अपने नाम किया। समापन समारोह में पुलिस लाइन के मेजर सार्जेंट सुबोध कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता चतरा एसोसिएशन टीम और उपविजेता चतरा पुलिस टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।इस मौके पर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष चंद्रेश शर्मा, सचिव राकेश कुमार सिंह, वॉलीबॉल कोच मो. शाहबान और जिला पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल कुमार यादव भी मौजूद रहे। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन को लेकर खिलाड़ियों और अधिकारियों में उत्साह का माहौल रहा। चतरा में ऐसे खेल आयोजनों को बढ़ावा देने की मांग भी की गई।

जिला स्थापना दिवस पर झारखंड आंदोलनकारियों का सम्मान

जिला एवं प्रखंड स्तर पर 851 आंदोलनकारी हुए सम्मानित

संवाददाता

चतराः जिला स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड राज्य गठन आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान में शुक्रवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल, चतरा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विभाग से प्राप्त निर्देश के आलोक में आयोजित इस कार्यक्रम में चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा भगवान बिरसा मुंडा एवं झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारियों को शॉल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कई आंदोलनकारियों ने झारखंड राज्य गठन आंदोलन में अपने योगदान एवं अनुभवों को साझा करते हुए आंदोलन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उपस्थित लोगों ने झारखंड आंदोलन के इतिहास, संघर्ष एवं उपलब्धियों को स्मरण किया।राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित जिला स्तर पर कुल 122 तथा प्रखंड स्तर पर कुल 729 झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। इस प्रकार जिले में कुल 851 झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान प्रदान कर उनके योगदान को स्मरण किया गया।अपने संबोधन में उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि चतरा जिला का गठन 29 मई 1991 को हजारीबाग जिले से पृथक कर किया गया था। उन्होंने कहा कि जिला स्थापना दिवस जिले की विकास यात्रा, उपलब्धियों एवं जनभागीदारी के संकल्प को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गठन के लिए आंदोलनकारियों द्वारा किए गए संघर्ष, त्याग एवं समर्पण को सदैव सम्मान के साथ याद किया जाएगा। राज्य निर्माण की इस ऐतिहासिक प्रक्रिया में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के योगदान का उल्लेख करते हुए झारखंड आंदोलन में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। सांसद कालीचरण सिंह ने अपने संबोधन में झारखंड आंदोलनकारियों के संघर्ष एवं योगदान को स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। वहीं विधायक जनार्दन पासवान जी ने भी आंदोलनकारियों के त्याग एवं समर्पण को झारखंड राज्य के इतिहास की अमूल्य धरोहर बताते हुए उन्हें सम्मानित किए जाने की पहल की सराहना की।उक्त अवसर पर पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम सहित अन्य पदाधिकारी, कर्मी एवं बड़ी संख्या में झारखंड आंदोलनकारी उपस्थित थे।

1 किलो 113 ग्राम अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चतराः चतरा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया पुलिस ने शुक्रवार की शाम अफीम तस्करों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में गोठाई गांव के पास बगरा-लावालौंग रोड के किनारे जंगल से 1 किलो 113 ग्राम अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। आज सिमरिया अनुमंडल मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ शुभम भाऊसाहब ने बताया कि बगरा-लावालौंग रोड पर कुछ लोगों के द्वारा अवैध रूप से अफीम का खरीत-बिक्री की जानकारी आई थी। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु उनके नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया।छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध अवस्था में तीन व्यक्ति दिखे। पुलिस को देखते हुए तीनों ने भागने लगे। पुलिस टीम ने खदेड़कर दो लोगों को पकड़ लिया,जबकि एक व्यक्ति जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। गिरफ्तार लोगों में लावालौंग थाना क्षेत्र के जलमा गांव का राजु गंझू(30 वर्ष) पिता- स्व० पच्चु गंझू एवं रामदेव गंझू (27 वर्ष) पिता-कैलाश गंझू शामिल है। एसडीपीओ श्री शुभम ने बताया कि पूछताछ के क्रम में दोनों अभियुक्तों ने बताया कि अफीम की बिक्री के लिए आए हुए थे। भागने वाला व्यक्ति सरफराज खान है। राजु गंझू से पुछताछ किया गया तो दाहिना ओर खोसकर प्लास्टिक का थैला में अफीम बरामद हुआ। इसके अलावा तस्करों के पास से ओप्पो कंपनी का दो मोबाइल बरामद किया गया है। इस संदर्भ में सिमरिया थाना काण्ड सं0-99/26, दिनांक- 29.05.2026, धारा-17(बी)/18 (बी)/28/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया है।

तंबाकू और खैनी के सेवन से बढ़ रहे हैं कैंसर के मामलेः टाटा ट्रस्ट्स

रांचीः टाटा ट्रस्ट्स की पहल रांची कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (आरसीएचआरसी) ने झारखंड में तंबाकू और खैनी के बढ़ते सेवन से जुड़े कैंसर के खतरे को लेकर चिंता जताई है। अस्पताल ने एक ऐसे मरीज का उदाहरण साझा किया, जिसने करीब 18 वर्षों तक खैनी का सेवन किया और बाद में जीभ के कैंसर का शिकार हो गया। शुरूआत में मुंह में सफेद धब्बे और अन्य लक्षणों को नजरअंदाज करने के कारण बीमारी गंभीर हो गई, लेकिन समय पर इलाज मिलने से वह कैंसर को मात देने में सफल रहा। अस्पताल के अनुसार वर्ष 2023 में कैंसर के 1126 नए मामले सामने आए थे, जो 2025 में बढ़कर 2229 हो गए। वहीं सिर और गर्दन के कैंसर के मामले 80 से बढ़कर 378 तक पहुंच गए। आरसीएचआरसी के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गौतम कुमार शरण ने कहा कि खैनी और धुआंरहित तंबाकू का लगातार सेवन कैंसर के बढ़ते मामलों की बड़ी वजह बन रहा है। उन्होंने लोगों से मुंह में सफेद धब्बे, लगातार छाले या निगलने में परेशानी जैसे शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने और समय पर जांच कराने की अपील की। विशेषज्ञों का कहना है कि सही समय पर पहचान और उपचार से इस बीमारी को हराया जा सकता है।

महादेव मंडा पूजा में आज झूलन व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

कांके/ पिठौरियाः महादेव मंडा पूजा समिति, पिठौरिया रांची के तत्वावधान में आज झूलन एवं सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एक लकड़ी के खंभे में सभी भोक्ताओं को बारी-बारी से झुलाया गया। भोक्ता गण ऊपर से पुष्प की वर्षा कर रहे थे और श्रद्धालुगण नीचे पुष्प को लपकने के लिए अपने आंचल फैलाए हुए थे। इस आयोजन के मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता के रूप में भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंडा पूजा समिति, झारखंड के संरक्षण स्वामी देवेंद्र प्रकाश, केंद्रीय अध्यक्ष राजकुमार महतो, महासचिव उदय पासवान, जिला परिषद सदस्य मनोज महतो बाजपेई, उपाध्यक्ष तपन कुमार महतो उपस्थित हुए। कार्यक्रम में श्री स्वामी ने कहा मंडा पूजा त्याग, तपस्या और भक्ति त्योहार है इसमें सभी जाति के लोग शामिल होते हैं। राजकुमार महतो ने कहा शिव मंडा पूजा सरना- सनातन का समागम है, इस पूजा में सभी जाति के लोग को एक सूत्र में पिरोने का काम यहां के नागवंशी राजाओं ने किया था ताकि सौहार्द के साथ त्यौहार मना सके। इनकी रही भागीदारी अध्यक्ष जितेंद्र साहू, सचिव रामप्रसाद गोप, कोषाध्यक्ष विक्की अहीर, सरवन गोप, मुन्नी देवी, अरविंद साहू, नंदकिशोर साहू, राजेश नायक व अन्य।

हवाई सेवा पर भी पड़ा खराब मौसम का असर विमानों को किया गया डायवर्ट

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में शनिवार सुबह बदले मौसम का असर हवाई सेवाओं पर भी देखने को मिला। सुबह से जारी बारिश और खराब मौसम के कारण रांची आने वाली सभी उड़ानों को कोलकाता डायवर्ट करना पड़ा। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। खराब मौसम का असर वीआईपी मूवमेंट पर भी पड़ा। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की फ्लाइट भी रांची में लैंड नहीं कर सकी और उसे कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। मौसम में सुधार होने के बाद ही उड़ानों के सामान्य संचालन की उम्मीद पहुंच रही है। सुबह से छाए रहे घने बादलः शनिवार सुबह रांची में मौसम ने अचानक कर-वट ले ली। सुबह होते ही आसमान में घने काले बादल छा गए और कई इलाकों में झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ विजिबिलिटी भी प्रभावित हुई, जिसके कारण विमानों की लैंडिंग में दिक्कतें आईं। फ्लाइटों के डायवर्ट होने से रांची आने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। कई यात्रियों को अपनी यात्रा योजनाओं में बदलाव करना पड़ा। एयरपोर्ट और एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को लगातार स्थिति की जानकारी दी जा रही है। मौसम विभाग ने पहले ही राज्य के कई जिलों में तेज हवा, बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे तक राज्य के कई हिस्सों में मौसम का यही मिजाज बना रह सकता है।

होटल रेडिसन ब्लू में बंगाल फूड फेस्टिवल,लजीज व्यंजन का लुत्फ उठा रहे राजधानीवासी

रांचीः राजधानी स्थित होटल रेडिसन ब्लू में दस दिवसीय अवडिवाइडेड बंगाल फूड फेस्टिवल में बंगाल की समृद्ध पाक कला विरासत और सांस्कृतिक परंपराओं की एक जीवंत झलक दिख रही है। यह महोत्सव होटल के वाटरफ्रंट रेस्टोरेंट में 22 से 31 मई, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। फूड फेस्टिवल मेहमानों को बंगाल की सांस्कृतिक झलक के साथ इस प्रदेश के प्रचलित व लोकप्रिय लजीज व्यंजन का लुत्फ उठाने का अवसर प्रदान कर रहा है। होटल रेडिसन ब्लू के एसोसिएट डायरेक्टर, (सेल्स), आशुतोष कुमार, फूड एंड बेवरेज मैनेजर विनीत रंजन सहित होटल की पूरी टीम बंगाल की संस्कृति और वहां के लोकप्रिय लजीज व्यंजन से ग्राहकों को रूबरू करने में जुटे हैं। फूड फेस्टिवल में विशेषज्ञ शेफ द्वारा तैयार किए गए प्रामाणिक क्षेत्रीय व्यंजनों का स्वाद अतिथि उठा रहे हैं।

इसमें पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश, दोनों के बंगाली व्यंजनों के विविध और शाश्वत स्वादों का आनंद उठाने का अवसर मिल रहा है। कल रविवार(31 मई) को विशेष ब्रंच का अनुभव भी मिलेगा।

प्रतिदिन रात्रि भोजन और रविवार को ब्रंच का आनंद ग्राहक समर वेकेशन और छुट्टियों के समय उठा रहे है। लोग यहां आकर फूड फेस्टिवल का मजा ले रहे हैं। ग्राहकों के लिए फूड फेस्टिवल में

1999 + कर प्रति व्यक्ति - रात्रिभोज, 1850 + कर प्रति व्यक्ति (रविवार ब्रंच) दर निर्धारित है।

होटल रेडिसन ब्लू की ओर से बंगाल के स्वाद, परंपराओं और गर्मजोशी भरी मेहमाननवाजी के उत्सव का बंगाली संस्कृति की झलक के साथ ग्राहक भरपूर आनंद उठा रहे हैं। यहां लोग अनूठे आकर्षण का अनुभव कर रहे हैं। भोजन, संस्कृति और समुदाय को एक अविस्मरणीय उत्सव में एक साथ लाया गया है।

गिद्दी सी परियोजना के 5 अधिकारियों- कर्मचारियों पर सीबीआई की कार्रवाई, दस्तावेजों जांच जारी

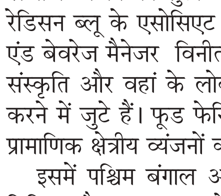

रामगढ़ः जिले के गिद्दी सी परियोजना क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त हलचल मच गई, जब सीबीआई की टीम ने परियोजना से जुड़े पांच अधिकारियों और कर्मचारियों के क्वार्टरों पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। सुबह से चल रही इस कार्रवाई के दौरान सीबीआई अधिकारी विभिन्न दस्तावेजों, अभिलेखों और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड की नींव से जांच कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सीबीआई की कई टीमें एक साथ अलग-अलग जगहों पर पहुंचीं और जांच प्रक्रिया शुरू की। जांच के दायरे में आए अधिकारियों और कर्मचारियों के क्वार्टरों में रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। टीम संबंधित दस्तावेजों के साथ अन्य जरूरी जानकारियां भी तैयार कर रही है। हालांकि, सीबीआई की ओर से अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि जांच किस मामले को लेकर की जा रही है। आधिकारिक तौर पर कोई बयान सामने नहीं आया है।

मंत्री इरफान अंसारी का ऐलान, वैभव सूर्यवंशी स्वास्थ्य विभाग के ब्रांड एंबेसडर

मेट्रो रेज

रांचीः युवा क्रिकेट सनसनी और अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से देशभर में पहचान बना चुके वैभव सूर्यवंशी को अब एक नई जिम्मेदारी मिलने जा रही है। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने घोषणा की है कि वैभव सूर्यवंशी को स्वास्थ्य विभाग का ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा। साथ ही उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा।

कम उम्र में जीता देशभर का दिलः स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी

ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि बेहद कम उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी प्रतिभा और आक्रामक बल्लेबाजी से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने कहा कि भले ही उनकी टीम मैच नहीं जीत सकी, लेकिन वैभव ने अपने प्रदर्शन से करोड़ों लोगों का दिल जीत लिया। मंत्री ने कहा कि इतनी कम उम्र में बड़े और अनुभवी गेंदबाजों का जिस आत्मविश्वास के साथ सामना करना आसान नहीं होता। वैभव ने अपने खेल से साबित कर दिया है कि उनमें असाधारण प्रतिभा है। इरफान अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग वैभव सूर्यवंशी के साथ मिलकर युवाओं के बीच स्वास्थ्य, फिटनेस, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने का काम करेगा। उनका मानना है कि वैभव की लोकप्रियता का फायदा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में मिलेगा और युवा उनसे प्रेरणा लेंगे।

जल्द झारखंड बुलाकर किया जाएगा सम्मानितः मंत्री ने बताया कि वैभव को जल्द झारखंड बुलाकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वैभव ने न सिर्फ अपने परिवार बल्कि बिहार और पूरे देश का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। इरफान अंसारी ने कहा कि महज 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास की ऐसी मिसाल पेश की है, जिससे लाखों युवा प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में वैभव भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे और देश को उन पर गर्व होगा। वैभव सूर्यवंशी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इससे पहले उन्हें पोषण पेय ब्रांड ने भी अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। उनकी सफलता और युवा पहचान को देखते हुए कई संस्थाएं और कंपनियां उनसे जुड़ रही हैं।

रिम्स के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पूर्व स्वास्थ्य निदेशक के थे पुत्र, 14 दिनों के दौरान रिम्स के दो छात्रों की मौत

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची से एक बेहद दुखद और सनसनीखेज मामला सामने आया है। रिम्स के सर्जरी विभाग के पोस्ट ग्रेजुएट प्रथम वर्ष के 32 वर्षीय छात्र डॉ सानु सनल बरवार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उनका शव शहर के कटहल मोड़ स्थित एक मकान से बरामद किया गया है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके और रिम्स मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों व छात्रों के बीच शोक और हड़कंप का माहौल है। उल्लेखनीय है कि पिछले 14 दिनों के दौरान रिम्स के दो छात्रों के द्वारा आत्महत्या करने की दूसरी घटना है। इससे पहले बीते 16 मई को रिम्स एमबीबीएस के एक छात्र ने सुसाइड कर लिया था। वो

हॉस्टल के कमरे में फांसी का फंदा लगा लटक गया था।

पूर्व स्वास्थ्य निदेशक के पुत्र थे डॉ सानुः मिली जानकारी के अनुसार, मृतक डॉ सानु सनल बरवार का गहरा पारिवारिक संबंध झारखंड के चिकित्सा जगत से रहा है। वे स्वास्थ्य विभाग के पूर्व निदेशक डॉ। हिमांशु शेखर के पुत्र थे। डॉ। सानु मूल रूप से रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। होनहार डॉक्टर की इस तरह अचानक हुई मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बंद कमरे में मिला शव, सनसनी:: घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, डॉ सानु का शव कटहल मोड़ के समीप स्थित एक मकान में संदिग्ध अवस्था में पाया गया। कमरे की स्थिति और शव को देखने के बाद आसपास के इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर तुरंत पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के स्पष्ट कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

बीआईटी मेसरा में झारखंडी छात्रों के 50% होम स्टेट कोटा समाप्त करने का निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण : आजसू

रांचीः अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) ने बीआईटी मेसरा में झारखंड के छात्रों के लिए वर्षों से लागू 50 प्रतिशत होम स्टेट कोटा समाप्त करने के निर्णय पर गहरी चिंता और कड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह निर्णय झारखंड के प्रतिभाशाली एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले हजारों विद्यार्थियों के हितों के प्रतिकूल है। आजसू का मानना है कि बीआईटी मेसरा झारखंड की धरती पर स्थापित एक प्रतिष्ठित संस्थान है, जिसकी स्थापना और विकास में राज्य की भूमि, संसाधनों एवं जनता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग।

ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 06/2026–27

दिनांक 29/05/2026

मद का नाम :– 15वें वित्त आयोग मद।

क्र0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	कटकमसाण्डी	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सुलताना का निर्माण।	14255800.00	10000.00	286000.00	एक वर्ष

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 06.06.2026
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 06.06.26 से 20.06.2026 अपराह्न 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान– जिला परिषद, हजारीबाग।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 22.06.2026 पूर्वाह्न 10:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06546 261406 ई–मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
9. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग।

PR 381046 (District) 26-27 (D)

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा
सर्किट हाउस सिमडेगा के पीछे, सिमडेगा,

मत्स्यजीवी सहयोग समितियाँ अथवा उनके सदस्यों के लिए आम सूचना

एतद् द्वारा सिमडेगा जिले के सभी मत्स्यजीवी सहयोग समितियों अथवा उनके सदस्यों को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0 05 रा0(वि0), दिनांक– 25.05.2026 द्वारा राज्य योजनान्तर्गत मत्स्य विपणन योजना के द्वारा सिमडेगा जिला के उपभोक्ताओं को ताजी और साफ मछली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खुदरा मछली विक्रेताओं को मछली बिक्री किट एवं मछली परिवहन हेतु चार पहिया भार वाहक वैन के लिए लक्ष्य प्राप्त है। योजना की विवरणी निम्न है:–

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना – कार्य	प्राप्त लक्ष्य लघु शीर्ष–796–जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	अनुदान की राशि (रू0 में)	अभ्युक्ति
1	मत्स्य विपणन योजना	मत्स्य विपणन किट हेतु अनुदान	15	14250/– प्रति किट	
2		मछली परिवहन हेतु चार पहिया भार वाहक वैन	01	480000/–	

चार पहिया भारवाहक वैन के लाभुकों का चयन का आधार निम्न प्रकार होगा :–
1. लाभुक द्वारा कम से कम 8.00 लाख रू0 का भारवाहक वैन खरीदने का आवेदन दिया गया हो।
2. आवेदक/आवेदक समिति मछली के विपणन कार्य अथवा मछली के बीज का परिवहन करती हो।
3. आवेदक/आवेदक समिति अपना अंशदान लगाने में सक्षम हो।
4. आवेदक मत्स्यजीवी सहयोग समिति का सदस्य हो।

मछली बिक्री किट के लाभुकों का चयन का आधार निम्न प्रकार होगा :–
1. लाभुक द्वारा कम से कम 15000/– रू0 का मछली बिक्री किट खरीदने का आवेदन दिया गया हो।
2. आवेदक मछली का विपणन का कार्य करता हो
3. आवेदक अपना अंशदान लगाने में सक्षम हो।

आवेदन प्रपत्र प्राप्ति (निःशुल्क) का स्थान :– जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा।
आवेदन प्रपत्र जमा करने का स्थान :– जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा (कार्यालय अवधि में)।
आवेदन प्रपत्र जमा करने का अंतिम तिथि :– 20.06.2026

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
सिमडेगा

PR 381089 Simdega(26-27).D

झमाझम बारिश के बीच डोरंडा में बड़ा हादसा टला

व्यस्त सड़क पर गिरा विशालकाय पेड़ बिजली आपूर्ति बाधित, आवागमन प्रभावित

(गुलाम शाहिद)

रांचीः झमाझम बारिश के दौरान डोरंडा क्षेत्र में एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक विशालकाय पेड़ अचानक सड़क पर गिर पड़ा। घटना डोरंडा की व्यस्त सड़क पर हुई, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं के कारण पेड़ की जड़ें कमजोर हो गई थीं, जिसके चलते वह अचानक सड़क पर धराशायी हो गया। घटना के समय सड़क पर आवाजाही जारी थी, लेकिन सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई।

पेड़ गिरने से सड़क पर यातायात बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। वहीं पेड़ की चपेट में आने से बिजली के तार भी प्रभावित हुए, जिसके कारण आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, विद्युत विभाग तथा आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने पेड़ को हटाने और बिजली व्यवस्था बहाल करने का कार्य शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद सड़क को आंशिक रूप से यातायात के लिए खोला गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बरसात के मौसम में पुराने और जर्जर पेड़ों का सर्वेक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

कार्यालय : झारखण्ड राज्य सहकारी मत्स्य संघ लि0, (झास्कोफिश)
(कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार का उपक्रम)
डोरण्डा, राँची–834002

(अतिअल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति दर निर्धारण हेतु आमंत्रण सूचना)

झास्कोफिश के निदेशक पर्षद की बारहवीं बैठक की कंडिका–13/12 में लिये गये निर्णय के अनुपालन में वित्तीय वर्ष 2026–27 में राज्य के मत्स्य बीज उत्पादकों को जिला मत्स्य कार्यालय के माध्यम से फ्राई कैचिंग नेट की आपूर्ति की जानी है। फ्राई कैचिंग नेट के दर निर्धारण हेतु संबंधित सामग्रियों की सूची (Specification) हेतु इच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है।

सामग्री का नाम तथा Specification निम्नवत है–

1. Body of Fry Catching Net (Net)	
Mash Size	2mm
Material	HDPE/Nylon
Type	Knotless
Technical req.	210D/3 to 210 D/4 (Line Density or ply)
2. Rope (For Fry Catching Net) Nylon or Polypropylene Virgin grade	
Per meter	Rope of 2mm,3mm,4mm,5mm,6mm, 7mm,8mm,10mm & 12mm
Per Kg	Rope/Kg
3. Float for buoyancy	
Type- PVC (Solid foam)	Per PC of size (40X25mm),(50X30mm),(60X35mm)
Type- Plastic float	(70X40mm),(90 X50mm) & (110 X60mm).
4. Sinker for rapid sinking	
Type- Lead	(Per kg)
Type- Iron	(Per kg)

इच्छुक फर्म/सप्लायर/प्रतिष्ठान दिनांक–06.06.2026 को अपराह्न 6:00 बजे तक उपरोक्त अंकित सामग्री का Specification के अनुरूप दर निम्न कागजातों के साथ झास्कोफिश कार्यालय, बटन तालाब, डोरण्डा, राँची में जमा कर सकते हैं–

1.फर्म/सप्लायर/प्रतिष्ठान का पूरा पत्राचार का पता।
2-GST निबंधन प्रमाण पत्र की प्रति।
3.पैन कार्ड की प्रति।
4.आधार कार्ड की प्रति।

PR 381041 (Jharkhand State Co-Operative Fisheries Federation Ltd)26-27*D

प्रबंध निदेशक
झास्कोफिश, राँची।

कार्यालय नगर परिषद, लोहरदगा
Email id- nagarparishadlohardaga@gmail.com

राजस्व जलकरों की बन्दोबस्ती सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद, लोहरदगा अन्तर्गत अवस्थित राजस्व जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती दिनांक 12.06.2026 को पूर्वाह्न/ अपराह्न 01:00 बजे से नगर परिषद, लोहरदगा सभागार में खुली डाक द्वारा नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड, रॉची के संकल्प संख्या 511, दिनांक 12.02.2021 **"शहरी स्थानीय निकायों के अन्तर्गत अवस्थित तालाबों, सैरात का सुरक्षित जमा निर्धारण एवं सैरात की बन्दोबस्ती हेतु प्रक्रिया"** में निहित निर्देश एवं शर्त्त के अनुसार की जायेगी। बन्दोबस्ती 03 (तीन) वर्षों 2026–27, 2027–28 एवं 2028–29 के लिए होगी। खुली डाक के लिए निर्धारित तिथि से ही सभी जलकरों की बन्दोबस्ती प्रकिया सम्पन्न की जाएगी।

राजस्व जलकर की सूची निम्नवत् है :–

क्रमांक	जलकर/तालाब का नाम	मौजा	म्यु0 प्लॉट संख्या	रकबा (एकड़ में)	वर्षिक सुरक्षित जमा राशि
1	2	3	4	5	6
1	विक्टोरिया (बड़ा) तालाब	लोहरदगा 194	1370	20.00	108000.00
2	ठाकुराईन तालाब	लोहरदगा 194	1178	2.25	12000.00

नियम एवं शर्तें :–
1. उपरोक्त तालाबों/जलकरों के बन्दोबस्ती निकाय स्तर पर विधिवत गठित मत्स्यजीवी सहयोग समिति ही इस डाक में भाग ले सकते हैं।
2. मत्स्यजीवी सहयोग समिति को स्वच्छता प्रमाण–पत्र जो सहायक निबंधक सहकारी समिति/ जिला सहकारिता पदाधिकारी स्तर से निर्गत हो समर्पित करना अनिवार्य होगा।
3. झास्को फिश से संबंधित मत्स्यजीवी समिति का सम्बद्धता/सदस्यता संबंधी दस्तावेज/कागजात संलग्न करना अनिवार्य होगा।
4. बन्दोबस्ती में भाग लेने हेतु समिति आवेदन के साथ समिति का निबंधन प्रमाण–पत्र, सहायक निबंधक सहकारी समिति/जिला सहकारिता पदाधिकारी के स्तर से निर्गत स्वच्छता प्रमाण–पत्र तथा झास्को फिश से संबंधित मत्स्यजीवी समिति का सम्बद्धता/सदस्यता संबंधी दस्तावेज दिनांक 11.06.2026 तक कार्यालय अवधि में समर्पित करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोबस्ती में भाग लेने वाले समिति को जलकर की प्रतिभूति राशि वार्षिक सुरक्षित जमा का 10 प्रतिशत जमानत के रूप डी0डी0/बैंकर्स चेक के माध्यम से (जो कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, लोहरदगा के नाम से देय होगा) जमा करना अनिवार्य होगा।
6. जमा की गई राशि उच्चतम डाक वक्ता को छोड़कर शेष डाकवक्ताओं को उच्चतम डाकवक्ता से एकरारनामा सम्पन्न होने के उपरान्त वापस कर दिया जायेगा।
7. **सक्षम पदाधिकारी को बिना कारण बताये अल्पकालीन बन्दोबस्ती स्थगित अथवा रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा।**
8. बन्दोबस्तकर्ता को उच्चतम डाक की राशि का एक तिहाई राशि एकरारनामा सम्पन्न करने के पूर्व, दूसरी तिहाई की राशि दिनांक 31 जुलाई 2026 एवं शेष राशि 31 जनवरी 2027 तक जमा करना अनिवार्य होगा।
9. बन्दोबस्तकर्ता द्वारा निर्धारित समयावद्धि में प्रत्येक वर्ष स–समय बन्दोबस्त राशि जमा नहीं किया जाता है, तो जमा की गई राशि जप्त करते हुए सम्पन्न एकरारनामा निरस्त कर दिया जायेगा एवं पुनः बन्दोबस्ती हेतु निविदा प्रकाशित की जायेगी।
10. बन्दोबस्तकर्ता को एकरारनामा एवं निबंधन सम्पन्न कराने में होने वाले व्यय का वहन स्वयं करना होगा।
11. समिति अथवा समिति का कोई भी सदस्य जो डाक में भाग लेते हैं यदि निकाय के किसी भी सैरात में डिफॉल्टर है वे सैरात डाक में भाग नहीं ले सकेंगे।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद, लोहरदगा

PR 381011 (Lohardaga)26-27*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

वीर सावरकर राष्ट्रभक्ति, साहित्य और स्वाभिमान के महान प्रतीक

हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, ओजस्वी साहित्यकार एवं कवि विनायक दामोदर सावरकर की जयंती प्रतिवर्ष 28 मई को मनाई जाती है। उनका जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भगूर गांव में हुआ था। वीर सावरकर केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के लेखक, इतिहासकार, कवि, समाज सुधारक और दूरदर्शी विचारक भी थे। उनकी जयंती राष्ट्रप्रेम, त्याग, साहस और स्वाभिमान की प्रेरणा देने वाला दिवस माना जाता है। वीर सावरकर ने कम उम्र में ही देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का मार्ग चुन लिया था। उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध युवाओं में क्रांतिकारी चेतना जागृत करने के लिए अभिनव भारत संगठन की स्थापना की। बाद में वे इंग्लैंड गए, जहां उन्होंने भारत की आजादी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज बुलंद की। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक-1857 का स्वातंत्र्य समर ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। अंग्रेज सरकार ने इस पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया था, क्योंकि इसमें 1857 की क्रांति को भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बताया गया था।वीर सावरकर का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्हें अंग्रेजों ने दो-दो आजीवन कारावास की कठोर सजा देकर अंडमान निकोबार की सेल्युलर जेल भेज दिया था। वहां उन्होंने अमानवीय यातनाएं सहते हुए भी अपने राष्ट्रभक्ति के संकल्प को कभी कमजोर नहीं होने दिया। जेल में रहते हुए उन्होंने अनेक कविताएं और लेख लिखे, जिन्हें साथी कैदी याद करके बाहर तक पहुंचाते थे। उनकी लेखनी में राष्ट्रप्रेम, आत्मबल और सामाजिक जागरण की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। वीर सावरकर जयंती मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को देशभक्ति, साहस, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का संदेश देना है। उन्होंने जाति-पांति और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों का विरोध किया तथा हिंदू समाज में एकता पर बल दिया। वे शिक्षा, संगठन और आत्मनिर्भरता को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते थे। उनके विचार आज भी युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। इस जयंती का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि वीर सावरकर ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक और क्रांतिकारी दोनों स्तरों पर मजबूती प्रदान की। वे ऐसे साहित्यकार थे जिन्होंने अपनी लेखनी को राष्ट्र सेवा का माध्यम बनाया। उनकी कविताएं और लेख आज भी देशभक्ति की भावना को प्रज्ज्वलित करते हैं।आज आवश्यकता है कि वीर सावरकर के जीवन, संघर्ष, साहित्य और राष्ट्रवादी विचारों से प्रेरणा लेकर समाज में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक सद्भाव और आत्मगौरव की भावना को मजबूत किया जाए। वीर सावरकर जयंती केवल एक महान व्यक्तित्व का स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण और कर्तव्यबोध का प्रेरणादायी पर्व है।

अमेरिका-ईरान युद्ध से महंगाई के कारण आमजन प्रभावित

भले 1970 के तेल संकट जैसे हालात होने की आशंका न हो या 2008 जैसी वित्तीय मंदी के हालात भी न हो लेकिन एक बात साफ है कि अमेरिका-ईरान के बीच करीब तीन माह से चल रहे युद्ध के दुष्प्रभाव गहराने लगे हैं। चाहे एशिया के हों या यूरोपीय देश, सभी केवल वैश्विक तनाव ही नहीं अपितु ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से बढ़ते दामों को रोकने में विफल रहे हैं। पिछले दस-पन्द्रह दिनों में ही हमारे देश में पेट्रोल-एलपीजी-सीएनजी- पीएनजी के दामों में एक बार नहीं अपितु तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी है। हालांकि वर्तमान हालात में सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। विपक्ष चाहे लाख आरोप लगाये पर अंतरराष्ट्रीय हालात से आंखें नहीं मूंदनी चाहिए। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमजन से आग्रह को भी इसी संदर्भ में सकारात्मकता से लिया जाना चाहिए। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ईंधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका-ईरान युद्ध न होकर इस युद्ध के कारण हार्मुज वैश्विक संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और यहां तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। यह तो वैकल्पिक उर्जा के रुप में देश में सोलर, विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में पिछले सालों में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से बेहतर काम हुआ है और इसी का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोनिक वाहनों के उपयोग या सोलर एनर्जी के उपयोग पर खुले तौर पर आग्रह करने की स्थिति में है। नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र में देश में तेजी से काम हुआ है और हो रहा है जो एक हद तक संकट को कम करने में सहायक बन रहा है। आज की दुनिया आइसोलेट दुनिया नहीं है। देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। कहीं से ईंधन के लिए तो कहीं से खाद्यान्न, कहीं दवा, कहीं अन्य किसी वस्तु के लिए निर्भरता बढ़ी है। युद्ध के चलते इंटरनेशनल लॉजिस्टिक सेवाएं प्रभावित हुई है। जहां तक देश की ही बात की जाए तो पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि की कीमत में बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ने लगा है। सीधी-सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लॉजिस्टिक का हो तो उसका सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। इसके साथ ही आयात पर निर्भर वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक तेल का प्रश्न है, देश में खाद्य तेल और अखाद्य तेल दोनों प्रभावित हो रहे हैं। खाद्य तेलों में भी आयात पर निर्भरता अधिक है। लाख प्रयासों के बावजूद तिलहन मिशन से तिलहनों का उत्पादन तो बढ़ा है पर अभी विदेशी निर्भरता बनी हुई ही है। इसी तरह अन्य वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक सेवा क्षेत्र का प्रश्न है, स्वीगी-जोमेटो आदि सेवा प्रदाताओं ने पिछले दिनों अपने दामों में 16 फीसदी से भी अधिक की बढ़ोतरी कर दी है। मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने प्लानों को रिवाइज किया है तो उबेर-ओला जैसे सेवा प्रदाताओं ने किराया बढ़ा दिया है। साफ है कि लॉजिस्टिक लागत बढ़ेगी तो उसका असर सभी वस्तुओं में देखने को मिलेगा। भारत सरकार वेनेजुएला से वैकल्पिक तरीके से कच्चे तेल लाने का प्रयास कर रही है तो अन्य विकल्प भी खोजे जा रहे हैं। लेकिन कच्चे तेल की आपूर्ति जब तक सामान्य नहीं हो जाती तब तक संकट पूरी तरह से समाप्त होने की कल्पना नहीं की जा सकती। इन वैश्विक हालातों के पीछे अमेरिका-ईरान की हठधर्मिता ही है। अमेरिका-इजराइल ने ईरान से लड़ाई शुरू करते समय रूस-यूक्रेन युद्ध के हालातों से सबक नहीं लिया। रूस के सामने यूक्रेन जैसा देश होने के बावजूद आज तीन साल से भी अधिक समय होने के बावजूद निर्णायक स्तर पर नहीं पहुंचा है। पर अमेरिका ने यह सोचा था कि दो-तीन दिन में ही ईरान को घुटने टिकवा देंगे और यही अमेरिका की नासमझी रही। मानो या न मानो पर वास्तविकता यह है कि आज अमेरिका के सामने अपनी प्रतिष्ठा बनाये रखने का संकट आ गया है और यही कारण है कि अंदरखाने अमेरिका और ट्रंप किसी भी तरह से सीजफायर के लिए प्रयासरत है।

सूरज के तीखे होते तेवर और अल-नीनो

> इस परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिकों की मानें तो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में एक ताकतवर महा-अल नीनो आकार ले रहा है। यह 1877 के बाद सबसे विध्वंसकारी मौसमी आपदा साबित हो सकता है। इसका सीधा असर भारत में देखने को मिल सकता है। क्योंकि अल-नीनो भारत की जीवन रेखा कहे जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को भी प्रभावित कर सकता है।

प्रमोद भार्गव

देश के ज्यादातर भूभाग पर पारा 45 से 48 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है। दिल्ली राजधानी क्षेत्र समेत समूचा मध्य व उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। 25 मई को सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश नौतपा शुरू हो जाएंगे, तब अनुमान है कि पहले ही तप रही धरती आसमान से बरसाने वाली इस आग से और अधिक गर्म हो जाएगी। हालांकि भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार धरती का अधिक तपना अच्छी बारिश का संकेत है। मौसम विभाग भी नौतपा में भीषण गर्मी बता रहा है। सनातन पंचांग में उल्लेख मिलता है कि इन नौ दिनों में एक ऐसा समय भी आता है जब सूर्य अपनी सबसे तीव्र ऊर्जा के साथ पृथ्वी पर प्रभाव डालता है। फलतः गर्मी चरम पर पहुंच जाती है।

इस परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिकों की मानें तो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में एक ताकतवर महा-अल नीनो आकार ले रहा है। यह 1877 के बाद सबसे विध्वंसकारी मौसमी आपदा साबित हो सकता है। इसका सीधा असर भारत में देखने को मिल सकता है। क्योंकि अल-नीनो भारत की जीवन रेखा कहे जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को भी प्रभावित कर सकता है। मौसम की जानकारी देने वाली निजी एजेंसी स्काई मेट के अनुसार इसका मुख्य कारण केवल सामान्य मौसमी बदलाव न होकर ऊष्मा का बन जाने वाला छतरीनुमा गोला है, जो आधे भारत के राज्यों में मंडरा रहा है। इस समय दिल्ली, उप्र, राजस्थान, हरियाणा, मप्र, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलांगाना में गर्मी एकाएक बढ़ गई है। इस प्राकृतिक स्थिति को ऊष्मा का क्षत्रप (हीट डोम) या गुंबद कहा जा रहा है। यह क्षत्रप तब बनता है, जब वायुमंडल में उच्च दबाव की एक प्रणाली लंबे समय तक किसी एक क्षेत्र में ठहर जाती है। इस समय बर्तन के एक ढक्कन की तरह गर्म हवा ऊष्मा को नीचे धरती की तरफ दवाए रखती है, जो तेज गर्मी का कारण बन जाती है। नतीजतन ऐसे क्षेत्रों में तापमान खतरनाक ढंग से बढ़ जाता है और कई दिनों या हफ्तों तक भीषण गर्मी या लू बनी रहती है। गर्मी की इस प्रचंड स्थिति को ग्लोबल वार्मिंग का कारण बताया जा रहा है।

इस बार गर्मी का मिजाज इसलिए भी अलग है क्योंकि कई तटीय इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में नमी वाली गर्मी यानी उमस का असर भी देखने में आ रहा है। इससे लू लगने का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। आधे भारत में बढ़ा तापमान लोगों को पस्त कर रहा है। अतएव हरेक जुबान पर प्रचंड धूप और गर्मी जैसे बोल आमफहम हो गए हैं। हालांकि लू और प्रचंड गर्मी के बीच भी एक अंतर होता है। गर्मी के मौसम में ऐसे क्षेत्र जहां तापमान, औसत तापमान से कहीं ज्यादा हो और पांच दिनों तक यही स्थिति बनी रहे तो इसे ह्यलूह्य यानी गर्मी का गोला कहने लगते हैं। मौसम की इस असहनीय विलक्षण दशा में नमी भी समाहित हो जाती है। यही सर्द-गर्म थपेड़े लू की पीड़ा और रोग का कारण बन जाते हैं। किसी भी क्षेत्र का औसत तापमान, किस मौसम में कितना होगा, इसकी गणना एवं मूल्यांकन पिछले 30 साल के आंकड़ों के आधार पर की जाती है। वायुमंडल में गर्म हवाएं आमतौर से क्षेत्र विशेष में अधिक दबाव की वजह से उत्पन्न होती हैं। वैसे तेज गर्मी और लू पर्यावरण और बारिश के लिए अच्छी होती हैं। अच्छा मानसून इन्हीं आवारा हवाओं का पर्याय माना जाता है, क्योंकि तपिश और बारिश में गहरा अंतर्संबंध है।

धूप और लू के इस जानलेवा संयोग से कोई व्यक्ति पीड़ित हो जाता है तो उसके लू उतारने के इंतजाम भी किए जाते हैं। दरअसल लू सीधे दिमागी गर्मी को बढ़ा देती है। अतएव इसे समय रहते ठंडा नहीं किया तो यह बिगड़ा अनुपात व्यक्ति को बौरा (पागल) भी सकता है। वैसे शरीर में प्राकृतिक रूप से तापमान को नियंत्रित करने का काम मस्तिष्क में ह्यहाइपोथैलेमसह्य अर्थात ह्यअधष्चेतकह्य क्षेत्र करता है। इसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य पीयूष ग्रंथि के माध्यम से तंत्रिका तंत्र को अंतःस्त्रावी प्रक्रिया के जरिये तापमान को संतुलित बनाए रखना होता है। इसे चिकित्सा शास्त्र की भाषा में हाइपरपीरेक्सिया कहते हैं। यानी शरीर के तापमान में असमान वृद्धि या अधिकतम बुखार का बढ़ जाना। इसकी चपेट में बच्चे और बुजुर्ग आसानी से आ जाते हैं।

बाहरी तापमान जब शरीर के भीतरी तापमान को बढ़ा देता है तो हाइपोथैलेमस तापमान को संतुलित बनाए रखने का काम नहीं कर पाता। नतीजतन शरीर के भीतर बढ़ गई अनावश्यक गर्मी बाहर नहीं निकल पाती है, जो शरीर में लू का कारण बन जाती है। इस स्थिति में शरीर में कई जगह प्रोटीन जमने लगता है और शरीर के कई अंग एक साथ निष्क्रियता की स्थिति में आने लग जाते हैं। ऐसा शरीर में पानी की कमी यानी डी-हाईड्रेशन के कारण भी होता है। दोनों ही स्थितियां जानलेवा होती हैं। इस स्थिति के निर्माण हो जाने पर बुखार उतारने वाली साधारण गोलियां काम नहीं करती हैं। क्योंकि ये दवाएं दिमाग में मौजूद हाइपोथैलेमस को ही अपने प्रभाव में लेकर तापमान को नियंत्रित करती हैं। जबकि लू में यह स्वयं शिथिल होने लग जाता है।

हवाएं गर्म का प्रमुख कारण ऋतुचक्र का उलटफेर और भूतापीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) का औसत से ज्यादा बढ़ना है। इसीलिए वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस बार प्रलय धरती से नहीं आकाशीय गर्मी से आएगी। जिस आकाश को हम निरीह और खोखला मानते हैं, वास्तव में यह खोखला है नहीं। भारतीय दर्शन में इसे पांचवां तत्व यूं ही नहीं माना गया है।

सच्चाई है कि यदि परमात्मा ने आकाश तत्व की उत्पत्ति नहीं की होती तो संभवतः आज हमारा अस्तित्व ही नहीं होता। हम श्वांस भी नहीं ले पाते। पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु ये चारों तत्व आकाश से ऊर्जा लेकर ही क्रियाशील रहते हैं। ये सभी तत्व परस्पर परावलंबी हैं। यानी किसी एक तत्व का वजूद क्षीण होगा तो अन्य को भी छीजने की इसी अवस्था से गुजरना होगा। प्रत्येक प्राणी के शरीर में आंतरिक स्फूर्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति आकाश तत्व से ही संभव होती है इसलिए इसे ब्रह्म तत्व भी कहा गया है। अतएव प्रकृति के संरक्षण के लिए सुख के भौतिकवादी उपकरणों से मुक्ति की जरूरत है।

हम देख रहे कि कुछ एकाधिकारवादी देश भूमंडलीकरण का मुखौटा लगाकर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से दुनिया की छत यानी ओजोन परत में छेद को चौड़ा करने में लगे हैं। यह छेद जितना विस्तृत होगा वैश्विक तापमान उसी अनुपात में अनियंत्रित व असंतुलित होगा। इस बढ़े तापमान का प्रभाव जिन-जिन क्षेत्रों में पड़ेगा, वहां खेत बंजर हो जाएंगे। पालतू मावेशी और वन्य जीव गर्मी से तड़प-तड़प कर प्राण छोड़ने लग जाएंगे, जो मानव समुदाय अभावग्रस्त हैं, उन पर गर्म हवाओं का यह दबाव कहर बनकर टूटेगा। यह जानलेवा भी साबित होगा।

पर्यावरण का पुनर्जागरण

> भारत जैसे विकासशील देश में ऊर्जा केवल आर्थिक गतिविधियों का आधार नहीं है बल्कि सामाजिक गतिशीलता और विकास की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। देश का विशाल परिवहन तंत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

एक समय था जब भारतीय घरों, आंगनों, चौपालों और खेतों में लकड़ी की खाट या चारपाई जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी। सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, खाट केवल एक फर्नीचर नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक जीवन का केंद्र थी। जैसे-जैसे आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा, शहरीकरण ने गति पकड़ी और बाजार में नए-नए प्रकार के बेड, सोफा-कम-बेड तथा महंगे गद्दे आने लगे। खाट धीरे-धीरे घरों से गायब होने लगी। इसे पुरातन, ग्रामीण और पिछड़ेपन का प्रतीक मान लिया गया। परंतु समय का चक्र एक बार फिर घूम रहा है। आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट की ओर लौट रहे हैं। यह वापसी केवल एक पारंपरिक वस्तु की वापसी नहीं है, बल्कि जीवन के प्रति बदलती सोच, स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और प्रकृति के साथ संतुलन की तलाश का प्रतीक भी है।

भारतीय समाज में खाट का इतिहास बहुत पुराना है। इसे चारपाई, मंजी या खटिया जैसे नामों से भी जाना जाता है। लकड़ी के मजबूत ढांचे और रस्सियों या पट्टियों से बुनी हुई यह संरचना सदियों तक भारतीय जीवन का आधार रही। गांवों में चौपाल की पहचान खाटों से होती थी। परिवार के बुजुर्ग खाट पर बैठकर निर्णय लेते थे। किसान दिनभर के श्रम के बाद खाट पर विश्राम करते थे और बच्चे उसी पर खेलते-कूदते बड़े होते थे। यह केवल आराम का साधन नहीं थी, बल्कि सामाजिक संवाद का मंच भी थी। आज भी ग्रामीण भारत में खाट पर बैठकर होने वाली चचाएं लोकतांत्रिक संवाद की सबसे सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति मानी जाती हैं।

पिछले कुछ दशकों में जीवनशैली में बड़े बदलाव आए। लोगों ने आधुनिक फर्नीचर को प्रगति और समृद्धि का प्रतीक मान लिया। बड़े-बड़े बेड, मोटे गद्दे और आकर्षक डिजाइन वाले फर्नीचर घरों की आवश्यकता बन गए। विज्ञापनों ने भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि आराम केवल महंगे गद्दों और आधुनिक बिस्तरों में ही संभव है। परिणामस्वरूप खाट धीरे-धीरे घरों से बाहर होती चली गई। अब जब लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बढ़ते तनाव और कृत्रिम जीवनशैली के दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं, तब वे उन पारंपरिक विकल्पों को नए दृष्टिकोण से देखने लगे हैं जिन्हें कभी उन्होंने स्वयं ही त्याग दिया था।

लकड़ी की खाट की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य संबंधी लाभ हैं। आधुनिक जीवनशैली में कमर दर्द, गर्दन दर्द और रीढ़ से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ी हैं। बहुत अधिक मुलायम गद्दों पर सोना कई लोगों के लिए असुविधाजनक साबित हुआ है। इसके विपरीत खाट का ढांचा शरीर को संतुलित सहारा देता है। रस्सियों से बुनी खाट शरीर के भार को समान रूप से वितरित करती है, जिससे रीढ़ पर अनावश्यक दबाव कम पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक बुजुर्ग वर्षों तक खाट पर सोने के कारण बेहतर शारीरिक स्थिति में दिखाई देते हैं। यद्यपि हर व्यक्ति की स्वास्थ्य आवश्यकताएं अलग होती हैं, फिर भी खाट को प्राकृतिक और संतुलित विश्राम का साधन माना जाता है।

गर्म जलवायु वाले हमारे देश में खाट की उपयोगिता और भी अधिक है। फोम और स्प्रिंग वाले गद्दे अकसर शरीर की गर्मी को रोक लेते हैं, जिससे गर्मियों में असुविधा बढ़ जाती है। इसके विपरीत खाट के नीचे और ऊपर दोनों ओर से हवा का प्रवाह बना रहता है। यह प्राकृतिक वेंटिलेशन शरीर को ठंडक प्रदान करता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। बिजली की बढ़ती खपत और एयर कंडीशनर पर निर्भरता के इस दौर में खाट का यह गुण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी खाट का महत्व बढ़ रहा है। आज दुनिया टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है। आधुनिक फर्नीचर उद्योग में प्लास्टिक, सिंथेटिक फोम और रासायनिक पदार्थों का व्यापक उपयोग होता है, जिनका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत लकड़ी और प्राकृतिक रस्सियों से बनी खाट अपेक्षाकृत पर्यावरण-अनुकूल होती है। यह लंबे समय तक चलती है। आसानी से मरम्मत की जा सकती है और इसके अधिकांश हिस्से पुनर्चक्रित या प्राकृतिक रूप से नष्ट हो सकते हैं। ऐसे समय में जब लोग पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहे हैं, खाट उन्हें एक टिकाऊ विकल्प के रूप में दिखाई देने लगी है।

खाट की वापसी का एक कारण आर्थिक भी है। महंगे फर्नीचर और ब्रांडेड गद्दों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। दूसरी ओर, स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई खाट अपेक्षाकृत सस्ती और टिकाऊ होती है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आज भी खाट कम लागत में उपलब्ध है। यह वर्षों तक उपयोग में आ सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसकी रस्सियां बदलकर उसे फिर नया बनाया जा सकता है। इस प्रकार खाट केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी व्यवहारिक विकल्प है।

दिलचस्प बात यह है कि खाट की वापसी केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बड़े शहरों में भी लोग इसे नए रूप में अपना रहे हैं। इंटीरियर डिजाइनरों ने पारंपरिक खाट को आधुनिक सौंदर्यबोध के साथ प्रस्तुत करना शुरू किया है। आज कई घरों में खाट को बालकनी, गार्डन, टैरेस या लिविंग स्पेस में सजावटी और उपयोगी वस्तु के रूप में रखा जा रहा है। रिसॉर्ट, कैफे और होमस्टे भी अपने परिसर में खाट का उपयोग कर रहे हैं, ताकि ग्राहकों को देसी और पारंपरिक अनुभव मिल सके। यह दिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता का मेल किस प्रकार संभव है।

सोशल मीडिया ने भी खाट की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज ₹सस्टेनेबल लिविंग₹, ₹स्लो लाइफ₹, ₹देसी लाइफस्टाइल₹ और ₹रूट्स की ओर वापसी₹ जैसे विषय युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। लोग अपने घरों और फार्म हाउस में खाट के साथ तस्वीरें साझा करते हैं। अनेक युवा, जो कभी खाट को केवल गांवों की वस्तु मानते थे, अब उसे जीवनशैली और पहचान का हिस्सा समझने लगे हैं। यह परिवर्तन बताता है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को नए नजरिए से देख रही है।

खाट का सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। भारतीय साहित्य, लोकगीतों और फिल्मों में खाट का उल्लेख बार-बार मिलता है। यह ग्रामीण जीवन, आत्मीयता और सामूहिकता का प्रतीक रही है। जब परिवार के सदस्य एक साथ खाट पर बैठकर बातचीत करते थे, तब संवाद स्वाभाविक रूप से विकसित होता था। आज डिजिटल युग में जहां लोग एक ही घर में रहते हुए भी मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं, वहां खाट जैसे सामूहिक बैठने के स्थान फिर से सामाजिक निकटता का माध्यम बन सकते हैं। संभव है कि आने वाले वर्षों में खाट फिर कभी हर घर का मुख्य फर्नीचर न बने, लेकिन उसका पुनर्जागरण यह अवश्य सिद्ध करता है कि परंपरा कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जब आधुनिक जीवन की चुनौतियां बढ़ती हैं, तब समाज अकसर अपनी जड़ों में समाधान खोजता है। लकड़ी की खाट की वापसी इसी खोज की कहानी है—एक ऐसी कहानी जिसमें स्वास्थ्य है, पर्यावरण है, संस्कृति है और जीवन को अधिक मानवीय बनाने की आकांक्षा भी।

यही कारण है कि आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट पर लौट रहे हैं। वे केवल एक पुराने फर्नीचर को नहीं अपना रहे, बल्कि एक ऐसे जीवन-दर्शन को पुनर्जीवित कर रहे हैं जो सादगी, संतुलन, आत्मीयता और प्रकृति के साथ सामंजस्य पर आधारित है। यही इस वापसी का सबसे बड़ा अर्थ और सबसे बड़ी उपलब्धि है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पदमिनी एकादशी व्रत से मिलती है सभी पापों से मुक्ति

आज पदमिनी एकादशी व्रत है, ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनायी जानी ली एकादशी को पद्मिनी एकादशी कहा जाता है। अधिकमास की पद्मिनी एकादशी को भगवान श्रीहरि विष्णु की पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है, जिससे भक्तों को पुण्य फल मिलता है तो आइए हम आपको पदमिनी एकादशी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं। एकादशी हिंदू धर्म का बहुत ही महत्वपूर्ण और शुभ दिन माना जाता है। इस दिन भगवान श्रीहरि विष्णु की पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है, जिससे भक्तों को पुण्य फल मिलता है। ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पद्मिनी एकादशी कहा जाता है। अधिकमास की पद्मिनी एकादशी बुधवार, 27 मई 2026 को मनाई जाएगी। यह एकादशी हर तीन साल में एक बार आती है और भगवान विष्णु की पूजा के लिए अत्यंत फलदायी मानी जाती है। हिंदू कैलेंडर (चंद्रमा पर आधारित) और सूर्य कैलेंडर के बीच हर साल लगभग 11 दिनों का अंतर आता है। इस अंतर को पाटने के लिए हर 3 साल में एक अतिरिक्त महीना जोड़ा जाता है, जिसे अधिकमास, मलमास या पुरुषोत्तम मास कहते हैं। तीन साल में एक बार आने वाले इस दुर्लभ संयोग में 27 मई 2026 को पद्मिनी एकादशी और 11 जून 2026 को परमा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। यह आध्यात्मिक उन्नति, धन-वैभव और मोक्ष प्राप्ति के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को स्वयं इन दोनों एकादशियों के व्रत की विधि और महत्व बताया था। चूंकि अधिकमास के स्वामी स्वयं भगवान विष्णु (पुरुषोत्तम) हैं, इसलिए इन एकादशियों का फल अनंत गुना हो जाता है।

पदमिनी एकउादशी व्रत का महत्व

पंडितों के अनुसार पदमिनी एकादशी 'परम' सिद्धियों और ऐश्वर्य को देने वाली है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने से घोर दरिद्रता और आर्थिक तंगी का नाश होता है। यह अज्ञात पापों से मुक्ति देकर उत्तम गति प्रदान करती है। पद्मिनी एकादशी का महत्व स्कंद पुराण में बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर को इस व्रत को करने का सही तरीका भी बताया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पद्मिनी एकादशी का व्रत रखने से इंसान अपने पुराने और वर्तमान सभी पापों से मुक्ति पा सकता है। अगर कोई व्यक्ति अधिमास की एकादशी यानी पद्मिनी एकादशी का विधि-विधान से व्रत रखता है, तो उसे वैकुंठ धाम यानी भगवान विष्णु का धाम में स्थान मिलने का लाभ मिलता है।

पदमिनी एकादशी व्रत की पूजा शुरू करें दशमी तिथि से

पंडितों के अनुसार अधिकमास की एकादशी (पद्मिनी और परमा एकादशी) खास होती है। व्रत की पूर्व संध्या, एकादशी से एक दिन पहले (दशमी को) सात्विक भोजन करें। कांसे के बर्तन में भोजन करने और नमक का त्याग करने का प्रयास करें।
सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ कपड़े (संभव हो तो पीले वस्त्र) पहनें। हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प करें। तांबे के लोटे से सूर्य देव को जल अर्पित करें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

एसएनसीयू ने कायम की मिशाल,न्यूनतम स्पर्श और अधिक निगरानी के साथ इलाज

27 हफ्ते में जन्मा 610 ग्राम का शिशु 51 दिनों में स्वस्थ होकर लौटा घर

एसएनसीयू ने हमारे बच्चे को दिया दूसरा जीवन

संवाददाता

साहिबगंजः साहिबगंज सदर अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में सिविल सर्जन डॉ। रामदेव पासवान,पूरा मेहनत प्रयास से चिकित्सा क्षेत्र में सदर अस्पताल में एक और अजूबा सिद्ध किया है। सिविल सर्जन डॉ। रामदेव पासवान, उपाधीक्षक डॉ। देवेश कुमार, नोडल अधिकारी व शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ। फरोग हसन, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ। आशुतोष कुमार ओर एसएनसीयू में कार्यकर रहे एएनएम, जीएनएम के टीम के 247 समर्पण से 610 ग्राम वजन वाला अत्यंत कम वजन नवजात, जिसके बचने की उम्मीद बहुत कम थी। पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर पहुंच गया। एसएनसीयू नोडल ऑफिसर डॉ। फरोग हसन डॉक्टर आशुतोष कुमार ने बताया कि पाकुड़ जिले के तिंगुपाहर निवासी पहाड़िया समुदाय की मेगा पहाड़िन का पुत्र 27 सप्ताह की गर्भावस्था में प्रीमैच्योर नॉर्मल डिलीवरी से पैदा हुआ। जन्म पर वजन मात्र 610 ग्राम था। बच्चा 08 अप्रैल, 2026 को एसएनसीयू में भर्ती हुआ और 51 दिनों की गहन देखभाल के बाद 29 मई, 2026 को संतोषजनक स्थिति में डिस्चार्ज किया गया। डॉ। आशुतोष कुमार के अनुसार, बच्चे में श्वसन संकट, प्रीमैच्योरिटी से जुड़ा एप्निया और फीड असहिष्णुता जैसी जटिलताएँ थीं। टीम ने क्लस्टर केयर तकनीक अपनाकर न्यूनतम स्पर्श व अधिक निगरानी के साथ चिकित्सा, नर्सिंग और पोषण एक साथ प्रदान किया। साथ ही फैमिली पार्टिसिपेटरी केयर सत्रों में माता-पिता को स्तनपान, सफाई और घर पर देखभाल की प्रशिक्षण दिया गया। सिविल सर्जन डॉ। रामदेव पासवान ने इसे जिला स्वास्थ्य विभाग के लिए गर्व का क्षण बताया और पूरी एसएनसीयू की टीम की धैर्य व निरंतर देखभाल की सराहना की। डिस्चार्ज पर परिजनों ने डॉक्टरों व स्टाफ का आभार व्यक्त करते कहा साहिबगंज एसएनसीयू ने हमारे बच्चे को दूसरा जीवन दिया है। मौके पर सदर अस्पताल मैनेजर अमन पांडे,ओर अन्य लोग मौजूद थे।

वज्रपात की चपेट में आने से भैंस ने घटनास्थल पर ही तोड़ा दम

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाः प्रखंड के सुतियारपाड़ा पंचायत के छोटा भौरा बहियार में शुक्रवार को वज्रपात से एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि एक प्रतियोगिताओं में कई बार जीत दर्ज कर चुकी चर्चित भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार छोटा भौरा निवासी बेटका मुर्मू 65 शुक्रवार को अपनी भैंस को चराने के लिए बहियार गए हुए थे। इसी दौरान अचानक मौसम का मिजाज बिगड़ गया और तेज गरज के साथ आसमानी बिजली गिर पड़ी। वज्रपात की चपेट में आने से भैंस ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि बेटका मुर्मू बिजली के तेज झटके से अचेत होकर खेत में गिर पड़े। कुछ देर बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों की नजर बेहोश पड़े वृद्ध पर पड़ी। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी।आनन-फानन में परिजन उन्हें घर लेकर पहुंचे, जहां स्थानीय चिकित्सकों को बुलाकर उपचार शुरू कराया गया। फिलहाल घायल वृद्ध की स्थिति गंभीर बनी हुई है तथा डॉक्टरों की निगरानी में है। घटना की पुष्टि करते हुए पीड़ित परिवार की बहू तालामाई किस्कू ने बताया कि मृत भैंस इलाके में आयोजित होने वाली पारंपरिक ह्यकाड़ा लड़ाईह्न प्रतियोगिताओं की चर्चित चैंपियन थी। भैंस ने साहिबगंज समेत पाकुड़ और गोड्डा जिले में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पांच से छह बार जीत हासिल कर परिवार और गांव का नाम रोशन किया था। उसकी पहचान एक ताकतवर और विजेता भैंस के रूप में थी। भैंस की असमय मौत से परिवार को भारी आर्थिक क्षति हुई है। वहीं परिजनों ने प्रशासन से आपदा प्रबंधन के तहत उचित मुआवजा देने की मांग की है।

श्रावणी मेला 2026 : समय पर पूरी करें कांवरिया पथ की तैयारियांः उपायुक्त

संवाददाता

देवघर : आगामी राजकीय श्रावणी मेला 2026 को ऐतिहासिक, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। तैयारियों को लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाबा बैद्यनाथधाम आने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुगम जलार्पण को लेकर विभागवार कार्य योजनाओं और टेंडर प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा की गई।

श्रद्धालुओं की सुविधा प्रशासन की प्राथमिकताः समीक्षा के दौरान उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने स्पष्ट कहा कि श्रावणी मेला के दौरान देवघर पहुंचने वाले कांवरियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसे सभी विभाग अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुम्मा से लेकर बाबा मंदिर तक पूरे कांवरिया पथ पर महीन बालू बिछाने, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, चौबीसों घंटे साफ-सफाई, ठहरने के लिए आवासन (धर्मशालाएं), शुद्ध पेयजल, अस्थाई शौचालय, स्नानगृह और आकर्षक पंडाल निर्माण के कार्यों को समय से पहले दुरुस्त किया जाए।

कांवरिया पथ से शिफ्ट होंगे बिजली के पोलः मेला क्षेत्र में किसी भी संभावित हादसे को रोकने के लिए उपायुक्त ने विद्युत और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने बिजली विभाग के अभियंताओं को निर्देश दिया कि दुम्मा बॉर्डर से कांवरिया पथ के बीच आने वाले सभी खतरनाक बिजली के खंभों (पोल) को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर तत्काल सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाए। साथ ही बाबा मंदिर प्रांगण और उसके आसपास के रास्तों में बिजली के खुले तारों को पूरी तरह से सुरक्षित और व्यवस्थित (अंडरग्राउंड/कवर) किया जाए।

यातायात और डीएमएफटी टीम के साथ समन्वय पर जोरः देवघर उपायुक्त ने कहा कि श्रावणी मेला जैसे बड़े आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा। उन्होंने साफ-सफाई, सुगम यातायात प्रबंधन, बड़े वाहनों के लिए पार्किंग स्थलों का चयन और पूरे रूट पर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने का निर्देश दिया। साथ ही, बजट और आवंटन राशि की कमी को समय रहते दूर करने के लिए सभी विभागों से विस्तृत एक्शन प्लान मांगा गया है। इस महत्वपूर्ण बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, बाबा मंदिर प्रभारी-सह-एसडीओ रवि कुमार, सिविल सर्जन, जिला परिवहन पदाधिकारी विभिन्न तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंता और डीएमएफटी की टीम मुख्य रूप से मौजूद थी।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने किया चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान का शुभारंभ

- महिलाओं व किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता को लेकर जिले में चलेगा विशेष अभियान

संवाददाता

साहिबगंजःउप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा आयोजित चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। यह अभियान 28 मई से 04 जून 2026 तक जिले भर में संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा मासिक धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक जन जागरूकता फैलाना एवं समाज में व्याप्त झिझक, संकोच एवं भ्रांतियों को दूर करना है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन केवल महिलाओं एवं किशोरियों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता है। ताकि समाज में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो सके। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि पुरुषों को भी इस विषय में जागरूक एवं संवेदनशील बनाया जाना आवश्यक है, जिससे वे अपनी भूमिका एवं दायित्वों को बेहतर ढंग से समझ सकें तथा महिलाओं एवं किशोरियों को सहयोग प्रदान कर सकें। जबकि कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, साहिबगंज शशि शेखर सिंह ने बताया कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं को स्वास्थ्य, सम्मान, आत्मविश्वास एवं सुरक्षित माहवारी प्रबंधन हेतु सक्षम बनाना है। उन्होंने बताया कि चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान की इस वर्ष की थीम सभी किशोरियों एवं महिलाओं के लिए माहवारी अनुकूल वातावरण का निर्माण निर्धारित की गई है। इस थीम के अंतर्गत समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि माहवारी से संबंधित विषयों पर खुलकर संवाद स्थापित हो सके तथा जागरूकता का वातावरण तैयार किया जा सके।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने हाथों में रेड डॉट प्रदर्शित कर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को माहवारी स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई, जिसमें स्वच्छता, जागरूकता एवं सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया।

बरहरवा नगर पंचायत वार्ड संख्या 2 में सड़क बन रहा तालाब, मात्र शोभा की वस्तु बनकर रह गया है नवनिर्मनित नाला

✔ हल्की बारिश में भी सड़क में भारी जलजमाव से लोग परेशान

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः नगर पंचायत में इन दिनों बिकास की उम्मीद करने वाले स्थानीय जनता को विनाश की परिसीमा को झेलना पड़ रहा है,नगर की स्थिति चाहे बिकास योजनाओं की हो या साफ-सफाई की दोनों ही सूरतों में विधिव्यवस्था शायद पूरी तरह फेल साबित होती जा रही है। बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 2 में बिनय भगत के घर से मस्जिद चौक तक हल्की बारिश में ही सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है।जो चीख चीख कर बरहरवा नगर के विकास योजनाओं के भ्रष्टाचार की पोल खोल रही है।

महज कुछ महीने पूर्व इसी सड़क के दोनों ओर लाखो रुपये की लागत से पीसीसी नाले का निर्माण किया गया। जो केवल सोभा की वस्तु बनकर रह गई।उक्त नाला निर्माण कार्य में संवेदक द्वारा खुलेआम अनियमिता की गई गुणवत्ता के साथ साथ निर्माण में नए ढक्कन लगाने थे लेकिन पुराने ढक्कन को ही लगाकर योजना की लीपापोती कर दी गई ,इस मनमाने नाला निर्माण कार्य के बाद भी लोगों को इससे कोई लाभ नहीं मिला ,स्थिति और भी बिगड़ गई,नाला का निर्माण जलजमाव से बचने के लिए किया जाता है लेकिन यहाँ उल्टा हुआ हल्की बारिश में सड़क तालाब बन जाती है नाले से बाल्टी भर पानी की भी निकासी नहीं होती है। आखिर योजना को पास करने वाले अभियंता सिर्फ कागजो में ही योजना की समीक्षा करके जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे को नीलाम कर देते है।और यहाँ के जनप्रतिनिधि बिकास के नाम पर अपना रोजगार का जरिया बना लेती है और जनता उनके इन कार्यशैली का फल झेलती है।

जल जमाव से मकान और दुकान खतरे मेंः वर्तमान में हालात ये है कि लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो ही जाता है साथ ही मकान और दुकान दोनों इसकी चपेट में आ जाती है ,मस्जिद चौक के समीप सड़क से लेकर दुकानों के अंदर तक ये जल जमाव होती है।और गरीब दुकानदार बर्तन से दुकान की पानी बाहर निकालने को मजबूर हो जाते है।

इस परिस्थिति का जिम्मेवार आखिर कौन है,जनता के पैसों से बने लाखो की लागत से बने नाले से पानी तो नहीं निकल रही लेकिन इस सड़क से आवाजाही करने वाले राहगीरों के मुह से श्रॉफ जरूर नकलती है। साथ ही ये परिस्थिति रोजाना दुर्घटनाओं को भी निमंत्रण दे रही है जिससे लोगों की जान के और माल दोनों खतरे में है।

न्यूज IN ब्रीफ

किसानों को मिले आधुनिक तकनीक से खेती करने के टिप्स

मसलियाः प्रखंड सभागार में शुक्रवार को कृषि विभाग से प्रखंडस्तरीय खरीफ कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रतिनिधि, दलाही मसलिया प्रखंड सभागार में शुक्रवार को कृषि विभाग से प्रखंडस्तरीय खरीफ कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य खरीफ सीजन में फसलों की पैदावार बढ़ाना तथा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना था। इसमें बड़ी संख्या में किसान, कृषक मित्र और ग्रामीण शामिल हुए। कार्यशाला में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक श्यामसुंदर सिंह ने किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाले धान व अन्य खरीफ फसलों के प्रमाणित बीजों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय पर बुआई, मिट्टी की जांच और जैविक खादों के उपयोग से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने की सलाह दी गयी। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना, कृषि यंत्रों पर मिलने वाले अनुदान तथा विभिन्न कृषि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को फसलों को कीट एवं रोगों से बचाने के लिए कम लागत वाले घरेलू और वैज्ञानिक उपायों से भी अवगत कराया गया। कार्यशाला में किसान क्रेडिट कार्ड, बिरसा फसल विस्तार योजना, पीएम कुसुम योजना तथा प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर खेती को लाभकारी बनाने का आह्वान किया। मौके पर लाइवलीहुड के धीरेन्द्र कुमार, सहायक प्रबंधक मिथिलेश कुसुम, उद्यान मित्र बैद्यनाथ मिस्त्री, जनप्रतिनिधि, कृषक मित्र, प्रगतिशील किसान एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

देवघर सरकारी गोदाम को शीघ्र करें दुरुस्तः डीएसओ

सोनारायठाढ़ीः डीएसओ प्रीतिलता किस्कू ने शुक्रवार को सोनारायठाढ़ी स्थित सरकारी अनाज भंडार का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने कहा कि जब सोनारायठाढ़ी प्रखंड में लाखों रुपये की लागत से गोदाम का निर्माण किया गया है, तो सरकारी अनाज का भंडारण भी यहीं प्रखंड में किया जाना चाहिए। इस संबंध में डीएसओ ने बीडीओ नीलम कुमारी और एमओ चंदन कुमार रजक को निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द गोदाम को दुरुस्त कर उसकी रिपोर्ट जिला को भेजी जाये, ताकि अनाज भंडारण की व्यवस्था सुचारु रूप से की जा सके। वर्तमान में सोनारायठाढ़ी प्रखंड क्षेत्र की 56 सरकारी जनवितरण प्रणाली दुकानों को पूर्व प्रखंड सारवां से ही अनाज का वितरण किया जा रहा है। यहां प्रति माह लगभग 3800 क्विंटल अनाज का वितरण किया जाएगा। मौके पर भाजपा नेता मुन्ना सिंह, जितेंद्र राणा व अन्य मौजूद थे।

एसपी ने की बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच पूजा करने से आत्मिक शांति की अनुभूति हो रही है: एसपी

साहिबगंज/बरहेटःशुक्रवार को साहिबगंज एसपी अमित कुमार ने बरहेट स्थित बाबा गाजेश्वरनाथ धाम पहुंचकर परिवार सहित बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की इस अवसर पर मंदिर के पुरोहित पवन कुमार झा ने एसपी को परिवार सहित पूजा करवायी। पूजा के उपरांत एसपी ने कहा कि बाबाधाम के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच पूजा करने से आत्मिक शांति की अनुभूति हो रही है। मौके पर बरहेट थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया, शिवगादी प्रबंध समिति के अध्यक्ष रूपक कुमार साह सहित अन्य मौजूद थे।

नाबालिग बच्ची के अपहरण मामले में एक गिरफ्तार

साहिबगंजःजिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के केलाबाड़ी निवासी करण रविदास को पुलिस ने नाबालिग बच्ची के अपहरण के मामले में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि जिरवाबाड़ी क्षेत्र के एक पीड़ित परिवार ने अपनी बच्ची के अपहरण हो जाने की शिकायत दर्ज करवाई थी । पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिघ बच्ची एवं युवक को तीन पहाड़ रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया । गिरफ्तार युवक करण से पूछताछ के करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया । जबकि नाबालिग बच्ची को कागजी प्रक्रिया करने के बाद उसे स्वजनों को सौंप दिया जाएगा।

राम परीखा मार्केट, में जीएसटी रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन

धनबाद : डिगवाडीह के व्यापारियों को जीएसटी नेटवर्क से जोड़ने और उन्हें पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाने के उद्देश्य से राम परीखा मार्केट, डिगवाडीह में एक विशेष जीएसटी रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य छोटे व मध्यम वर्ग के व्यापारियों को बिना किसी परेशानी के ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराना था। वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में हुआ कार्य इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर श्री मंगल उरांव ने कैंप में उपस्थित थे। व्यापारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी पंजीकरण से व्यवसाय को एक कानूनी पहचान मिलती है और इससे व्यापार विस्तार में मदद मिलती है। उन्होंने व्यापारियों से बिना किसी डर के आगे आने और विभाग की इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की। कैंप को तकनीकी रूप से सफल बनाने और त्वरित पंजीकरण के लिए विभाग के डाटा ऑपरेटर श्री अमित कुमार और श्री संजय कुमार मुस्तैद दिखे। उन्होंने कैंप में आए व्यापारियों के दस्तावेजों (जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, बिजली बिल आदि) की जांच की और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मौके पर ही कई नए रजिस्ट्रेशन दर्ज किए।

प्रियंका-महेश बाबू की बड़ी तैयारी

1200 करोड़ी 'वाराणसी' के सेट से लीक हुई तस्वीर!

एस.एस राजामौली की 'वाराणसी' पर लंबे वक्त से काम चल रहा है. फिल्म का अब अगला शेड्यूल शुरू हो चुका है. जहां महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ एक बड़ा सीन शूट किया जाने वाला है. इसी बीच राजामौली की फिल्म के सेट से एक तस्वीर लीक हो गई है. आखिर क्यों इसे अहम सीक्वेंस बताया जा रहा है? एस.एस राजामौली का इस वक्त पूरा फोकस ही 'वाराणसी' पर है. जी हां, अगले साल फिल्म को रिलीज किया जाएगा. फिलहाल तेजी से पिक्चर का काम पूरा किया जा रहा है. साथ ही यह भारतीय सिनेमा इतिहास की दूसरी सबसे महंगी पिक्चर है, जिसका बजट 1200-1300 करोड़ रुपये के करीब है. यूं तो अबतक राजामौली ने सेट से कोई भी तस्वीर लीक नहीं होने दी थी.

पर अब रोक नहीं पाए हैं. जी हां, सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल है, जहां इमेज में एक बड़ा ब्लू-स्क्रीन बैकग्राउंड है. वहीं, चारों ओर चट्टानें और बारीक नक्काशी वाले चट्टान के खंभे हैं. कहा जा रहा है कि यह उग्रभट्टी गुफाओं के सीन से सामने आया है. क्यों इसे खास बताया जा रहा है. 'वाराणसी' के सेट से जो तस्वीर सामने आई है, वहां फोटो में कोई भी क्रू मेंबर मौजूद नहीं दिखे. न ही कोई स्टार वहां मौजूद था. लेकिन वो सेट ही इतना ग्रैंड है, जो फिल्म के लेवल को दिखाने के लिए काफी है. दरअसल रिपोर्ट के मुताबिक, उग्रभट्टी गुफाओं का सीन माता छिन्नमस्ता देवी के आस-पास बनाया गया है. उन्हें एक उग्र हिंदू देवी के रूप में जाना जाता है. जो न सिर्फ कॉस्मिक बैलेंस से जुड़ी हैं, बल्कि आत्म-बलिदान और बदलाव से भी कनेक्शन है. पौराणिक कथाओं में उन्हें अपना कटा हुआ सिर लेकर खून चढ़ाते हुए दिखाया गया है. जो कि अपने सेवकों को चढ़ाती है.

ईवा लोंगोरिया ने 'डेस्परेट हाउसवाइव्स' पर तोड़ी चुप्पी

मैंने आज तक अपना शो नहीं देखा

हॉलीवुड अभिनेत्री ईवा लोंगोरिया ने एक इंटरव्यू में मशहूर टीवी शो 'डेस्परेट हाउसवाइव्स' को लेकर बताया कि उन्होंने आज तक अपना ही शो नहीं देखा।

साल 2004 से 2012 तक चले मशहूर अमेरिकी टीवी शो 'डेस्परेट हाउसवाइव्स' में ईवा ने गैब्रिएल सोलिस का किरदार निभाया था। यह किरदार दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। इस शो के लिए उन्हें कई बड़े सम्मान भी मिले। उन्हें दो बार स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जबकि गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड के लिए भी उनका नामांकन हुआ था। शो में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया था। जेसी टायलर फर्ग्यूसन के साथ 'डिनर ऑन मी' पॉडकास्ट में बात करते हुए ईवा ने कहा, 'आजकल लोग फिर से इस शो को देख रहे हैं, और यह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। मुझे बार-बार यह सुझाव दिया जाता है कि मैं भी शो देखूं, लेकिन हर बार मैं मना कर देती हूं, क्योंकि मैं खुद इस शो का हिस्सा रह चुकी हूं, तो ऐसे में मुझे यह देखने की क्या जरूरत है?

ईवा ने कहा, ''मैंने सिर्फ अब ही नहीं, बल्कि जब यह शो पहली बार टीवी पर प्रसारित होता था, तब भी इसे नहीं देखा था। मैं कभी अपना काम बैठकर नहीं देखती।'' 'डेस्परेट हाउसवाइव्स' में ईवा के अलावा, कई मशहूर कलाकार नजर आए थे, जिनमें टेरी हैचर, फेलिसिटी हफमैन, मार्सिया क्रॉस और निकोलेट शेरिडन जैसे नाम शामिल थे। यह शो कुल 180 एपिसोड तक चला था और उस दौर के सबसे सफल टीवी कार्यक्रमों में गिना जाता है। जब शो के नए वर्जन को लेकर ईवा से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ''शो के निर्माता मार्क चेरी फिलहाल इसे दोबारा शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं।

उनका मानना है कि शो के हर किरदार को पहले ही पूरी तरह दिखाया जा चुका है और उनकी कहानी को अच्छे तरीके से खत्म किया गया था, इसलिए अब उसी दुनिया को दोबारा शुरू करना आसान नहीं होगा।

'मैं कभी सिर्फ एक पार्टनर के साथ नहीं रही...

'प्यार में कोई रूल नहीं होना चाहिए- एक्ट्रेस Shahana ने खोले अपनी लव लाइफ के राज

हमेशा से ही अपनी एक्टिंग और बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। शहाना आज तक 'रॉक ऑन', 'डिस्पैच', 'हनीमून ट्रैवल्स', 'हीरोइन', 'ज्विगाटो' और 'संतोष' जैसी फिल्मों में देखा गया है। लेकिन फिलहाल वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में चल रही हैं।

हाल ही में एक पॉडकास्ट में Shahana Goswami ने अपने जीवन की कुछ पर्सनल बातें शेयर की। उन्होंने कहा कि फ़िलहाल वो अभी ओपन रिलेशनशिप में नहीं हैं और उनकी जिंदगी में कोई एक स्थायी या प्राइमरी पार्टनर नहीं है। शहाना ने बताया कि हर इंसान अलग तरीके से प्यार करता है और मेरे अनुसार रिश्तों को एक तय दायरे के बांधकर नहीं देखा जाना चाहये। हर व्यक्ति प्यार और संबंधों को अपने तरीके से महसूस करता है और वहीं रिश्ता सबसे बेहतर होता है, जिसमें भरोसे के साथ खुलापन भी हो। अभिनेत्री ने कहा कि पारंपरिक रिश्तो की सोच उनके स्वभाव से मेल नहीं खाती इसलिए उन्होंने अपनी पसंद और कम्फर्ट के मुताबिक जिंदगी जीने का फैसला लिया है।

इस वजह से चुना ओपन रिलेशनशिप का रास्ता

बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि पारम्परिक रिश्ते उन्हें हमेशा से ही पसंद नहीं आये, उनका मानना है कि जो व्यक्ति प्यार में बंध जाता है वो अपनी आजादी को खो देता है। अपने पिछले रिलेशनशिप से उन्होंने सीख लिया था कि कोई भी रिश्ता ज्यादा लम्बा नहीं टिक पाता है। उन्होंने अपनी मानसिक शांति के लिए ये फैसला लिया।

क्या हैं ओपन रिलेशनशिप ?

शहाना गोस्वामी ने ओपन रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुआ बताया कि इसका अर्थ यह है कि, जिस समय आप जिस भी व्यक्ति के साथ है, उसके साथ ईमानदार रहें।

सिंगर ढिंचैक पूजा ने की शादी! दुल्हन के जोड़े में दिखाई झलक

सेल्फी मैंने ले ली आज...

'सेल्फी मैंने ले ली आज...' फेम वायरल सिंगर ढिंचैक पूजा अक्सर अपने अनोखे गानों को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। ढिंचैक पूजा का असली नाम पूजा जैन है। इस गाने की वजह से वह 2017 में भारत की पहली बड़ी वायरल इंटरनेट सेंसेशन में से एक बन गईं। अब हाल ही में ढिंचैक पूजा एक बार फिर चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वो अपने किसी नए गाने की वजह से नहीं, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। ढिंचैक पूजा ने अपने जीवन से जुड़ी बड़ी खुशखबरी साझा की है।

इस अंदाज में पूजा ने दिखाई झलक

ढिंचैक पूजा ने अपनी शादी को लेकर बड़ी घोषणा की है। सिंगर ने अपनी शादी की घोषणा करते हुए एक वीडियो मोंटाज शेयर किया। हालांकि, उन्होंने वीडियो में अपने पति का चेहरा नहीं दिखाया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरी शादी के कुछ क्लिप, मैं और भी शेयर करूंगी।' वीडियो में जयमाला के कुछ पल दिखाए गए हैं और साथ ही उन्हें दुल्हन के रूप में सेल्फी लेते हुए भी दिखाया गया है। पूजा ने इस मौके पर गुलाबी रंग का शाइनिंग दुल्हन का गाउन पहना था। उन्होंने इस आउटफिट को भारी गहनों और एक बड़ी पारंपरिक नथ के साथ पूरा किया।

नॉर्वे चेस : गुकेश ने मनाया अपना 20वां जन्मदिन, शतरंज छोड़ नाविक बने ग्रैंडमास्टर्स

एजेंसी

ओस्लो (नॉर्वे) : नॉर्वे चेस 2026 के विश्राम के दिन शुक्रवार को दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों ने बिसात और मोहरों से दूर हटकर ओस्लोफ्योर्ड की लहरों पर रोमांचक सेलिंग रेस का आनंद लिया। इस खास आयोजन के दौरान मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने अपना 20वां जन्मदिन भी मनाया, जिससे दिन और भी यादगार बन गया। नॉर्वे चेस की परंपरागत गतिविधियों के तहत आयोजित इस विशेष सेलिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को दो टीमों में बांटा गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को मानसिक दबाव से राहत देना और टीमवर्क एवं मनोरंजन का अनुभव कराना था। इस कार्यक्रम में भारत के ग्रैंडमास्टर्स डी. गुकेश, दिव्या देशमुख, आर. प्रज्ञानानंद और कोनेरू हम्पी के अलावा नॉर्वे के दिग्गज मैग्नस कार्लसन, विंसेंट कीमर, वेस्ली सो,

अन्ना मुजीचुक, बिबिसारा अस्साउबायेवा, झू जिनर और अन्य शीर्ष खिलाड़ी शामिल हुए। नॉर्वे चेस खेलों की यह परंपरा वर्षों से टूनामेंट का खास हिस्सा रही है। इसके तहत खिलाड़ियों को शतरंज की गहन तैयारियों और मुकाबलों से कुछ समय के लिए दूर ले जाकर अलग-अलग गतिविधियों में शामिल किया जाता है। पिछले वर्षों में खिलाड़ियों ने कुकिंग प्रतियोगिता, ट्रैक्टर चलाना, गाय दुहना, तीरंदाजी, फेंसिंग और ह्यचेस काउबॉय चैलेंजह्व जैसी अनोखी गतिविधियों में हिस्सा लिया था। इस बार का आयोजन इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि 13 वर्षों बाद नॉर्वे चेस का आयोजन ओस्लो में हो रहा है, जबकि इससे पहले यह लंबे समय तक स्टावेंजर में आयोजित होता रहा था। विश्राम दिवस की गतिविधियों में जावोखिर सिंदारोव भी शामिल रहे, जो भविष्य में विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में गुकेश को चुनौती देने वाले हैं। खिलाड़ियों के बीच दोस्ताना माहौल और आपसी सौहार्द इस आयोजन की खास पहचान रहा। दिन के कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा तब रहा जब भारतीय ग्रैंडमास्टर्स और नॉर्वे चेस प्रतिनिधिमंडल ने ओस्लो स्थित भारत के राजदूत से मुलाकात की। राजदूत ने खिलाड़ियों और अधिकारियों के सम्मान में एक विशेष संवाद सत्र आयोजित किया, जिसमें भारत और नॉर्वे के बीच खेल और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

अंडर-18 महिला एशिया कप: नूशीन नाज के दम पर भारत ने मलेशिया को 2-1 से हराया

एजेंसी

काकामिगहारा (जापान) : भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने अंडर-18 एशिया कप 2026 में शानदार शुरूआत करते हुए अपने पहले पूल-ए मुकाबले में शनिवार को मलेशिया को 2-1 से पराजित किया। 15 वर्षीय फॉरवर्ड नूशीन नाज ने दोनों गोल दागकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और उन्हें ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्व चुना गया। मुकाबले के पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला और कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बढ़ाया और 19वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को नूशीन नाज ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। अच्छी लय में दिख रही नूशीन यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने 28वें मिनट में एक तेज और सटीक शॉट लगाकर मलेशियाई गोलकीपर को छकाया और भारत की बढ़त 2-

0 कर दी। इसके साथ ही भारत ने हाफ टाइम तक मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली। दूसरे हाफ में मलेशिया ने वापसी की कोशिश की और 41वें मिनट में नूर अजली ने गोल कर अंतर को 2-1 कर दिया। इसके बाद मलेशिया ने बराबरी हासिल करने के लिए लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कोई और मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और कुल 16 पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए। हालांकि टीम इनमें से केवल दो मौकों को गोल में बदल सकी, लेकिन नूशीन नाज के दोनों गोल अंततः जीत का अंतर साबित हुए।

इस जीत के साथ भारत ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और फिलहाल पूल-ए में दूसरे स्थान पर है। भारत और कोरिया दोनों के तीन-तीन अंक हैं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के आधार पर कोरिया शीर्ष पर बना हुआ है। भारतीय टीम अब अपने अगले पूल मुकाबले में 31 मई 2026 को कोरिया का सामना करेगी। मुकाबला पूल की शीर्ष टीम तय करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

फ्रेंच ओपन में बड़ा उलटफेर: 19 वर्षीय जोआओ फोन्सेका ने नोवाक जोकोविच को किया बाहर

एजेंसी

पेरिस : फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेरों का सिलसिला जारी है। विश्व टेनिस के दिग्गज और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना शुक्रवार को टूट गया, जब उन्हें तीसरे दौर में ब्राजील के 19 वर्षीय युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराकर टूनामेंट से बाहर कर दिया। करीब पांच घंटे तक चले इस मुकाबले में जीत दर्ज कर फोन्सेका ने इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड स्लैम मुकाबले में जोकोविच को हराने वाले पहले किशोर खिलाड़ी बन गए। इस जीत के साथ उन्होंने

खुद को भविष्य के बड़े दावेदारों में शामिल कर लिया है। जोकोविच की हार का मतलब है कि 39 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी को अब भी मार्गरेट कोर्ट के 25 ग्रैंड स्लैम खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का इंतजार करना पड़ेगा। एक दिन पहले ही विश्व नंबर एक यानिक सिनर के बाहर होने के बाद यह परिणाम पेरिस में खिताब की दौड़ को और खुला बना गया है। मैच के बाद भावुक फोन्सेका ने कहा,१मुझे सच कहूं तो विश्वास नहीं था कि मैं यह मुकाबला जीत सकता हूं। मैं सिर्फ कोर्ट पर जाकर खेल का आनंद लेना चाहता था। जोकोविच जैसे महान खिलाड़ी के खिलाफ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं बेहद खुश हूं।

उन्होंने आगे कहा,१मैं हर गेंद को पूरी ताकत से मारने की कोशिश कर रहा था। जोकोविच शायद ही कोई गलती करते हैं और आज भी उनकी फिटनेस अद्भुत है। मैच के अंत में वह मुझसे ज्यादा फिट नजर आ रहे थे। फोन्सेका ने यह ऐतिहासिक जीत अपनी मां को समर्पित की, जिनका उसी दिन जन्मदिन था और वे दर्शक दीर्घा में मौजूद थीं।

शुरूआती दो सेटों में जोकोविच का दबदबा

एक सप्ताह पहले ही 39 वर्ष के हुए जोकोविच ने मुकाबले की शानदार शुरूआत की। उन्होंने पहले सेट में शुरूआती छह में से पांच गेम जीतकर युवा प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बना दिया। शानदार लॉब, दमदार फोरहैंड और बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स की मदद से उन्होंने पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी फोन्सेका ने संघर्ष किया, लेकिन पांचवें गेम में सर्विस गंवाने के बाद जोकोविच ने बढ़त मजबूत कर ली और सेट जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

फोन्सेका की जबरदस्त वापसी

दो सेट पीछे होने के बावजूद फोन्सेका ने हार नहीं मानी। तीसरे सेट में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए वापसी की और एक सेट अपने नाम किया। चौथे सेट में भी ब्राजीलियाई खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने शुरूआती ब्रेक हासिल किया और लगातार आक्रामक शॉट्स खेलते हुए मुकाबला दो-दो सेट की बराबरी पर पहुंचा दिया। निर्णायक पांचवें सेट में जोकोविच ने 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन फोन्सेका ने धैर्य और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए वापसी की। 5-5 की बराबरी के बाद उन्होंने महत्वपूर्ण ब्रेक

एक से 30 जून तक देशभर में चलेगा खेत बचाओ अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के तत्वावधान में देशभर में एक जून से खेत बचाओं अभियान की शुरूआत हो रही है। इसको लेकर शनिवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उच्चस्तरीय बैठक कर अभियान का फोकस संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग, मौसम की चुनौती के मद्देनजर समय पर किसान सलाह, पंचायत स्तर पर सक्रिय भागीदारी और योजनाओं के लाभ को सीधे गांव तक पहुंचाने पर रखने की बात कही। बैठक में चौहान ने सबसे महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में इस बात पर बल दिया कि रासायनिक

उर्वरकों, विशेषकर असंतुलित उपयोग को कम करना अभियान का प्रमुख उद्देश्य होगा। किसानों को मृदा परीक्षण आधारित, संतुलित और सही मात्रा में खाद तथा अन्य कृषि इनपुट के उपयोग के बारे में जागरूक करने, हरी खाद, जैविक और जैव-उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने तथा एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के प्रदर्शन आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। कृषि मंत्री ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि आने वाले समय को लेकर जो मौसम संबंधी चिंता जताई जा रही है, उसके मद्देनजर किसानों को व्यावहारिक सलाह दी जाएगी कि वे क्या करें, क्या न करें, कौन-सी फसल लें, कहां फसल विविधीकरण अपनाएं और कम पानी या जोखिम की स्थिति में कौन-से विकल्प बेहतर रहेंगे। अभियान का उद्देश्य केवल संदेश देना नहीं, बल्कि खेत-स्तर पर किसान को स्थिति-विशेष के अनुरूप सलाह देना होगा।

बैठक में यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर इस अभियान को मजबूत आधार दिया जाएगा। पंचायत स्तर पर मैकेनाइजेशन की मशीनों का वितरण, योजनाओं का लाभ और जहां संभव हो वहां सरकारी कार्यक्रमों का प्रत्यक्ष लाभ भी इसी अभियान के अंतर्गत जोड़ने के लिए शिवराज सिंह ने निर्देशित किया। चौहान ने कहा कि अभियान को केवल विभागीय दायरे में सीमित नहीं रखा जाएगा। राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया जाएगा और मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से भी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा, ताकि यह अभियान एक प्रशासनिक कार्यक्रम से आगे बढ़कर जनसहभागिता का मजबूत मॉडल बन सके। बैठक में बताया गया कि अभियान के लिए कृषि विकास केंद्र को सभी सहभागी संस्थानों के लिए प्रमुख समन्वयक की भूमिका दी गई है, साढ़े 1600 से अधिक टीमें बनाई गई हैं। अधिक उर्वरक उपयोग वाले 100 जिलों के लिए 500 टीमें गठित की गई हैं, जिनमें केवीके, आईसीएआर संस्थान के वैज्ञानिक और कृषि विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

8वां केंद्रीय वेतन आयोग 31 मई से 5 जून तक जम्मू-कश्मीर का करेगा दौरा

जम्मू : जम्मू-कश्मीर सरकार ने सूचित किया है कि 8वां केंद्रीय वेतन आयोग 31 मई से 5 जून तक केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करेगा और सरकारी कर्मचारियों, यूनियनों और संगठनों सहित विभिन्न हितधारकों से बातचीत करेगा। वित्त विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक सूचना के अनुसार आयोग ने जम्मू और कश्मीर सरकार के साथ 1 जून, 2026 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक श्रीनगर के सेंटॉर होटल के पास स्थित एसकेआईसीसी के सीआर-3 बैठक कक्ष में एक वार्ता और प्रस्तुति सत्र निर्धारित किया है। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव करेंगे और इसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। आमंत्रित अधिकारियों में जल शक्ति, विद्युत विकास, पर्यटन, कृषि, वित्त, लोक निर्माण (आर एंड बी) और मुख्यमंत्री सचिवालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव शामिल हैं। गृह विभाग, उपराज्यपाल सचिवालय और चुनाव विभाग के प्रधान सचिवों, सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त सचिव, विधि, न्याय और संसदीय कार्य विभाग के आयुक्त सचिव और वित्त विभाग के सभी विभागाध्यक्षों को भी इस दौरे में भाग लेने का निर्देश दिया गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने टपकेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना, देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की

देहरादून : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को देहरादून स्थित प्राचीन सिद्धपीठ टपकेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। उत्तराखंड के तीन दिवसीय दौरे के तीसरे दिन भाजपा अध्यक्ष शनिवार सुबह टपकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। टपकेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन और पूजा के माध्यम से उन्होंने प्रदेश की जनता के कल्याण और राष्ट्र की प्रगति की कामना की। भाजपा अध्यक्ष उत्तराखंड प्रवास के दौरान धार्मिक आस्था और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विभिन्न कार्यक्रम शामिल हो रहे हैं।मंदिर परिसर में आयोजित पूजा-अर्चना में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, प्रदेश सह-प्रभारी रेखा वर्मा, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल, देहरादून भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने भी सहभागिता की।

मंगोलिया के लिए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे असम के राज्यपाल

गुवाहाटी : असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य मंगोलिया में आयोजित होने वाले पवित्र प्रदर्शनी कार्यक्रम के लिए भगवान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों अरहंत सारिपुत्र और अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेषों को लेकर जाने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के सांची विहार चैत्य में संरक्षित इन पवित्र अवशेषों को 9 जून तक मंगोलिया में रखा जाएगा। इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का उद्देश्य भारत और मंगोलिया के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत और बौद्ध संबंधों को और अधिक मजबूत करना है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची स्तूप से जुड़े ये पवित्र अवशेष दुनियाभर के बौद्ध अनुयायियों के लिए अत्यंत श्रद्धा का विषय हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष पहल पर की गई है, ताकि भारत और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंधों को और प्रगाढ़ किया जा सके। मंगोलिया को बौद्ध जगत में भारत का आध्यात्मिक पड़ोसी माना जाता है। राज्यपाल आचार्य शनिवार को पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ पवित्र अवशेषों को लेकर प्रतिनिधिमंडल के साथ रवाना होंगे। मंगोलिया में आयोजित प्रदर्शनी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, भिक्षु, विद्वान और आध्यात्मिक अनुयायी इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस आयोजन को भारत और मंगोलिया के बीच साझा बौद्ध विरासत और गहरी मित्रता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। राज्यपाल आचार्य के 3 जून को भारत लौटने की संभावना है।

बिना देखे वंदे मातरम गाकर दिखाएं भाजपा नेता और कार्यकर्ता, कांग्रेस के हर कार्यक्रम में गाया जाता है वंदे मातरम : भूपेश

रायपुर : केरल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को लेकर छिड़े विवाद के बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को चुनौती देते हुए कहा कि वह एक साथ बिना देखे वंदे मातरम् गाकर दिखाएं। बघेल ने कहा कि कांग्रेस के हर कार्यक्रमों की शुरूआत वंदे मातरम से होती है, जबकि भाजपा के लोग कभी इसे गाते तक नहीं थे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के जिलास्तर के कार्यक्रमों में भी वंदे मातरम् गाया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने आज अपने दिल्ली दौरे को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। इस दौरान पंजाब में होने वाले आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में संगठनात्मक रणनीति और चुनावी तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। केंद्र में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा शुरू किए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनसंपर्क अभियान जरूर चलाना चाहिए, क्योंकि जनता उनके जवाब का इंतजार कर रही है। जनता भाजपा से सवाल पूछेगी।

भोपाल: गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में लकड़ी की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, करोड़ों का सामान जलकर खाक

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में 'शुभम एंटरप्राइजेस' नामक फैक्ट्री में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात भीषण आग लग गई। नगर निगम के फायर अमले ने रातभर भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि शनिवार दोपहर तक भी फैक्ट्री के मलबे से धुआं और आग सुलगती रही। आग की वजह से करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, इस फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर प्लाईवुड, लकड़ी के दरवाजे और ब्लैक बोर्ड बनाने का काम होता था, जिसके चलते परिसर में कई टन लकड़ी, अत्यधिक ज्वलनशील केमिकल और थिनर का भारी स्टॉक रखा हुआ था। केमिकल और थिनर की मौजूदगी के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने की इस भयानक घटना के बाद पूरे औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही गांधीनगर, गोविंदपुरा, कोलार, बैरागढ़, फतेहगढ़, आईएसबीटी और कबाड़खाना सहित शहर के लगभग सभी फायर स्टेशनों से दमकल गाड़ियां और पानी के टैंकर तुरंत मौके के लिए रवाना किए गए। नगर निगम के फायर प्रभारी सौरभ पटेल, फायर फाइटर पंकज यादव और सहायक प्रभारी विजय त्रिपाठी समेत 50 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी रातभर जान जोखिम में डालकर आग बुझाने के काम में जुटे रहे। शनिवार सुबह करीब 9 बजे जाकर लपटों पर नियंत्रण पाया जा सका, लेकिन लकड़ी के भीतर सुलग रही आग को पूरी तरह शांत करने के लिए दोपहर तक दमकल की टीमें मौके पर तैनात रहीं। फायर फाइटर पंकज यादव ने बताया कि केमिकल और भारी मात्रा में जमा लकड़ी के कारण आग बुझने का नाम नहीं ले रही थी। इसके बाद रणनीति बदलकर दो जेसीबी मशीनों को मौके पर बुलाया गया और उनकी मदद से फैक्ट्री की जलती हुई बिल्डिंग के मुख्य स्ट्रक्चर को ढहाया गया। बिल्डिंग गिरने के बाद जेसीबी से ही धधकती हुई लकड़ियों को अलग-अलग बिखेरा गया, जिसके बाद पानी की सीधी बौछारें मारकर आग को दबाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों और दमकल अधिकारियों के मुताबिक, शुभम एंटरप्राइजेस से बिल्कुल सटकर तीन से चार अन्य फैक्ट्रियां और औद्योगिक इकाइयां मौजूद थीं। अगर आग इन पड़ोसी फैक्ट्रियों तक पहुंच जाती, तो नुकसान का अंदाजा लगाना मुश्किल था। इस बड़े खतरे को टालने के लिए नगर निगम के अमले ने दोनों फैक्ट्रियों के कनेक्टिंग पॉइंट्स और दीवारों पर लगातार पानी की मोटी बौछारें जारी रखीं, जिससे आग आगे नहीं फैल सकी और एक बड़ा हादसा होने से बच गया। शुरूआती जांच और स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार, इस भीषण अग्निकांड की मुख्य वजह फैक्ट्री के भीतर हुआ शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस और फायर ब्रिगेड की तकनीकी टीम मामले की वास्तविक वजहों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच कर रही है। इस हादसे में फैक्ट्री के भीतर रखी करोड़ों रुपये की मशीनें, तैयार प्लाईवुड, दरवाजे और कच्चा माल पूरी तरह जलकर खाक हो गए हैं।

लोकसभा अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री ने हिंदी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं दी

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई मंत्रियों ने शनिवार को हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर सभी पत्रकारों, लेखकों को हार्दिक शुभाकामनाएं दी। ओम बिरला ने शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर कहा, ह्हमारे देश में हिंदी पत्रकारिता समाज की चेतना, लोकतंत्र की मजबूती और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त मंच है। समय-समय पर जनजागरण, सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह अत्यंत सुखद है कि बदलते समय और तकनीकी क्रांति के दौर में हिंदी की प्रासंगिकता लगातार बढ़ी है। आज हिंदी केवल अखबारों और टेलीविजन तक सीमित नहीं है बल्कि डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, कंप्यूटर, इंटरनेट और नई

तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से करोड़ों लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंच रही है। हिंदी में समाचार, विचार और विश्लेषण की बढ़ती स्वीकार्यता इस भाषा की शक्ति और व्यापकता को दशार्ती है। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर हम हिंदी भाषा के संवर्धन तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने के संकल्प को और मजबूत करते हैं।" शिवराज सिंह ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी गौरवशाली यात्रा में समाज को जागरूक करने, लोकतंत्र को सशक्त बनाने तथा जनसरोकारों को प्रभावी अभिव्यक्ति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पत्रकारिता की लोकहित और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के अनुरूप आप सभी राष्ट्र एवं समाज की उन्नति में अपना योगदान देते रहें। दकेन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि 'कलम की ताकत' से समाज को जागरूक, प्रबुद्ध और सशक्त बनाने तथा निष्पक्षता से जन-जन की आवाज उठाने वाले लोकतंत्र के सभी सजग प्रहरियों को सादर नमन। केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचार संकलन का इतिहास नहीं अपितु जनचेतना, सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण की एक सशक्त धारा रही है। सत्यता, निष्पक्षता और जनहित के मूल्यों को केंद्र में रखकर हिन्दी पत्रकारिता ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने तथा समाज को जागरूक करने में अमूल्य योगदान दिया है। लोकहित और राष्ट्रहित के स्वर को निरंतर मुखर करने वाली हिन्दी पत्रकारिता उत्तरोत्तर गतिमान रहे, यही कामना है।

उत्तरकाशी के गंगनानी में कार खाई में गिरी, 2 की मौत, तीन घायल

एजेंसी

उत्तरकाशी : जनपद उत्तरकाशी के गंगनानी-भटवाड़ी मार्ग पर देर रात सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कार में कुल पांच लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने अंधेरे और कठिन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात डीसीआर उत्तरकाशी से एसडीआरएफ को सूचना मिली कि गंगनानी के पास एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट भटवाड़ी की टीम उपनिरीक्षक गब्बर सिंह और पोस्ट उजेली की टीम आरक्षी शक्ति सिंह के नेतृत्व में आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

मौके पर पहुंची टीम ने पाया कि वाहन गहरी खाई में गिरा हुआ था। दो व्यक्तियों की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल थे।

मृतकों की पहचान दामोदर हरीराम जी रामटेककर (77 वर्ष) और लक्ष्मी दामोदर रामटेककर (67 वर्ष), निवासी नागपुर, महाराष्ट्र के रूप में हुई है। घायलों में विमल कुमार प्रधान (61 वर्ष) निवासी भुवनेश्वर ओडिशा, यशवीर (35 वर्ष) निवासी पंजाब और उपासना प्रधान (54 वर्ष) निवासी भुवनेश्वर ओडिशा शामिल हैं।

एसडीआरएफ जवानों ने रात के अंधेरे और विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद त्वरित रेस्क्यू अभियान चलाया। घायलों को खाई से सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया गया और सड़क तक पहुंचाने के बाद एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। वहीं शवों को खाई से निकालकर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली और विरुधुनगर समेत तीन ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

एजेंसी

चेन्नई : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार तड़के तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली और विरुधुनगर समेत तीन स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। सुबह-सुबह शुरू हुई इस कार्रवाई से संबंधित इलाकों में हलचल मच गई और लोगों के बीच जांच के कारणों को लेकर चचाओं का दौर शुरू हो गया। हालांकि, एनआईए ने अभी तक इस कार्रवाई से जुड़े मामले की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, केरल के कोच्चि स्थित एनआईए कार्यालय से 20 से अधिक अधिकारियों की एक विशेष टीम तमिलनाडु पहुंची। टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से चिन्हित ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा

व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक यह छापेमारी केरल में दर्ज एक मामले के सिलसिले में की गई है। हालांकि, मामला किस प्रकृति का है और जांच का दायरा क्या है, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। एनआईए अधिकारियों ने जांच पूरी होने तक किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार किया है। एनआईए सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की जा रही है। एजेंसी इन सामग्रियों के आधार पर मामले के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है। जब्त किए गए साक्ष्यों का विश्लेषण पूरा होने के बाद ही कार्रवाई के उद्देश्य और जांच की दिशा के बारे में विस्तृत जानकारी सामने आ सकेगी। एनआईए की इस कार्रवाई के बाद विभिन्न प्रकार की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ सूत्रों का मानना है कि यह अभियान किसी आतंकवादी संगठन से जुड़े नेटवर्क, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की जांच का हिस्सा हो सकता है। वहीं, कुछ अन्य सूत्र इसे माओवादी गतिविधियों और उनसे जुड़े संपर्कों की पड़ताल से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, इन दावों की किसी आधिकारिक स्रोत से पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच कुछ सूत्रों ने यह भी दावा किया है कि एनआईए की कार्रवाई सबरीमला श्री अयप्पा मंदिर में स्वर्ण गड़बड़ी मामले से जुड़ी हो सकती है। दरअसल, मंदिर के सन्निधि क्षेत्र में लगे स्वर्ण पट्टों को पॉलिश और मरम्मत के लिए चेन्नई की एक निजी कंपनी को सौंपा गया था। कार्य पूरा होने के बाद मंदिर प्रशासन को लौटाए गए स्वर्ण पट्टों में कथित तौर पर लगभग 4.5 किलोग्राम सोना कम पाया गया था। इस मामले को लेकर पहले भी विस्तृत जांच की मांग उठ चुकी है। हालांकि, वर्तमान छापेमारी का इस प्रकरण से कोई संबंध है या नहीं, इसकी पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

प्रधानमंत्री ने गोवा राज्य स्थापना दिवस पर लोगों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गोवा अपनी जीवंत संस्कृति, समृद्ध विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और मिलनसार लोगों के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि यह दिन गोवा की पहचान और प्रगति के लिए अथक परिश्रम करने वाले सभी लोगों को कृतज्ञतापूर्वक याद करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि गोवा निरंतर प्रगति करता रहे और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे। प्रधानमंत्री ने गोवा के लोगों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने गोवा की मातृभाषा में भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गोवा के राज्य स्थापना दिवस पर सभी लोगों को बधाई। उन्होंने गोवा की संस्कृति, विरासत और जनजीवन की सराहना की।

गंगा संरक्षण और स्वच्छता कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

एजेंसी

देहरादून : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला गंगा संरक्षण समिति के साथ ही अर्धकुंभ मेला 2027 के लिए प्रस्तावित कार्यों के सम्बन्ध में बैठक ली। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद अन्तर्गत संचालित गंगा संरक्षण, सीवरेज, अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि केवल प्रस्तुतिकरण (प्रेजेंटेशन) नहीं, बल्कि धरातल पर कार्यों के प्रभावी परिणाम दिखाई देने चाहिए। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने टपकेश्वर मंदिर गढ़ी कैंट क्षेत्र में प्रस्तावित एसटीपी निर्माण कार्य के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ पृथक बैठक आयोजित कर भूमि चयन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ऋषिकेश क्षेत्र में निमार्णाधीन एसटीपी, सीवेज पम्पिंग स्टेशन (एसपीएस) व सीवर लाइन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम ऋषिकेश को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आवास विकास वार्ड में संचालित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पायलट परियोजना को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए उसे मॉडल वार्ड के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में डेयरी वेस्ट प्रबंधन की जानकारी मांगे जाने पर नगर निगम देहरादून के संबंधित अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बिंदाल नदी में गिरने वाले प्रदूषित नालों की टैपिंग कार्यों में हो रही देरी पर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने पेयजल निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाला टैपिंग के सभी कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण किए जाएं। साथ ही आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर नालों की नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने गंगा नदी सहित अन्य नदियों के तटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि संभावित प्रदूषण स्थलों का चिन्हीकरण कर लक्ष्य आधारित कार्ययोजना तैयार की जाए तथा नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। मसूरी क्षेत्र में 0.70 एमएलडी क्षमता के कैमल बैक एसटीपी की समीक्षा के दौरान वर्ष 2022 में बजट स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ न होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने पेयजल निगम मसूरी के संबंधित अधिकारी को कार्यप्रणाली में सुधार लाने की चेतावनी दी। इसी प्रकार अर्केडिया जोन में प्रस्तावित 0.70 एमएलडी एसटीपी परियोजना में वर्ष 2022 से स्वीकृति प्राप्त होने के बावजूद भूमि चिन्हीकरण एवं म्यूटेशन की कार्यवाही लंबित रहने पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया तथा मसूरी संयुक्त मजिस्ट्रेट को मामले की जांच कर सात दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी नगर निगमों एवं नगर निकायों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा गया है। उन्होंने कूड़ा उठान व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए जाने तथा डंपिंग जोन का चिन्हीकरण कर वहां सीसीटीवी एवं अन्य तकनीकी माध्यमों से निगरानी सुनिश्चित करने को निर्देशित किया। उन्होंने अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं परिणामोन्मुख बनाने पर विशेष बल दिया। नगर पंचायत सेलाकुई में अभी तक स्लज वाहन उपलब्ध नहीं होने पर जिलाधिकारी ने हैरानी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को अपने संसाधनों से तत्काल वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अर्धकुंभ मेला 2027 के लिए प्रस्तावित निर्माण कार्यों को एनएमसीजी की अनुमति एवं निर्धारित एसओपी के अनुसार पूर्ण किए जाएं।

अवैध शराब के विरूद्ध छापेमारी अभियान

सिमडेगा: जिला में अवैध शराब की रोकथाम के लिए लगातार जागरूकता एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है, इसी क्रम में पिछले सप्ताह दिनांक-21.05.2026 से 27.05.2026 तक थाना प्रभारी के नेतृत्व में विभिन्न थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरूद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया है। अभियान के दौरान चार सौ अठारह (418) किलोग्राम जावा महुआ एवं 30 लीटर अवैध देशी शराब विनष्ट किए गए हैं, और अवैध शराब बनाने के लिए उपयोग होने वाली भट्ठी को भी विनष्ट किया गया है।

सिमडेगा की जनता से अनुरोध है कि, अवैध शराब की रोकथाम एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में सिमडेगा पुलिस का सहयोग करें। अपने आस पास के लोगों को जागरूक करें और अवैध शराब बनाने और बिक्री करने से संबंधित कोई भी सूचना नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) के मोबाईल पर निश्चित रूप से दें।

जल संसाधन विभाग के अपर सचिव के योगदान देने के बाद से विभाग में आयी तेजी

ज्योति पाठक

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2017 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले डॉ कुमार ताराचंद जल संसाधन विभाग में अपर सचिव के रूप में प्रभार ग्रहण करने के साथ ही विभाग अधीन कार्यों के दायित्व का निर्वहन भली भांति और बेहतर ढंग से कर रहे हैं। प्रभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने कहा कि - विभाग अधीन कार्य समय और बेहतर ढंग से संपादित हो यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है जल संसाधन विभाग अपने कार्यों को निर्धारित समय अवधि के अंतराल में पूर्ण करने के साथ-साथ जनोपयोगी कार्य ससमय किए जाए यह उनकी प्राथमिकता में शामिल है। जल किसानों को कृषि के लिए सरल और, सहज रूप से उपलब्ध हो इसके लिए भी हमेशा कारगर पहल किए जाएंगे।

गौरतलब हो कि डॉ कुमार ताराचंद कि बेहतर कार्य दक्षता और प्रशासनिक क्षमता तथा प्रशासन कार्य दक्षता के फलस्वरूप यह दायित्व मिला है। श्री कुमार इससे पूर्व लोहरदगा के लोकप्रिय उपायुक्त भी रह चुके हैं।

फुसरो सब्जी मंडी में थोक विक्रेता की दुकान में लगी आग

फुसरो: बेरमो थाना क्षेत्र के फुसरो सब्जी मंडी में शुक्रवार को एक थोक सब्जी विक्रेता की झोपड़ीनुमा दुकान में अचानक आग लग गयी। देखते-ही-देखते दुकान में रखे सामान को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। इसी दौरान झमाझम बारिश होती रही, जिससे लोगों आग बुझाने में काफी सहूलियत मिली। समय रहते आग बुझा ली गई, अन्यथा आसपास की दुकानों तक आग फैलने का खतरा था। हालांकि आग बुझाने के लिए दमकल गाड़ी भी आयी, मगर तब तक आग पर काफी काबू पा लिया गया था। दुकान के मालिक मुकेश कुमार तर्वे ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दुकान में कुछ खाली बोरे और प्लास्टिक के कैरेट रखे हुए थे, जिन्हें बाहर निकालने का मौका नहीं मिल सका। आग में सभी सामान झोपड़ी सहित जलकर राख हो गये। उन्होंने बताया कि आग लगने से उन्हें काफी नुकसान हुआ है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सब्जी मंडी में अग्निशमन के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

जमशेदपुर के एसएसपी पीयूष पांडेय की कामयाबी व उत्कृष्ट कार्य काल के एक साल हुए पूरे

विनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी की बात चलती है तो पीयूष कुमार पांडेय का नाम स्वतः ही जुंबा पर चला आता है । इसकी प्रमुख वजह यह है कि श्री पांडेय झारखंड के उन सफलतम आईपीएस अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं जिनकी उपलब्धि और कामयाबी उनकी सशक्त पहचान है। श्री पांडेय ने जमशेदपुर के एसएसपी के रूप में 29 मई को अपना पदभार ग्रहण किया था और अपने पदस्थापना काल के एक वर्ष में अपराध नियंत्रण, अपराधियों की धरपकड़, बेहतर विधि व्यवस्था जिला वासियों के उम्मीद और विश्वास को पुलिस अपने बेहतर कार्यों से जीतने में कामयाब रही। वरीय पुलिस अधीक्षक श्री पांडेय आमजन मानस के लिए सहज,सरल, मृदुभाषी तो वहीं अपराधियों और अपराध के प्रति कड़क पुलिस अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं। श्री पांडेय इससे पूर्व ग्रामीण एसपी जमशेदपुर, देवघर के लोकप्रिय एसपी तथा धनबाद के सिटी एसपी भी रह चुके हैं। ऐसे आईपीएस अधिकारी से जिला और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं।

जेपी चौक मार्केट कॉम्प्लेक्स की डाक पर विवाद, आज अंतिम मौका, नगर पंचायत अध्यक्ष ने रद्द करने की उठाई मांग,हेडिंग

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद/पलामू : जपला के जेपी चौक स्थित यात्री शेड की जगह पीपीपी मॉडल पर प्रस्तावित मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए जिला परिषद द्वारा जारी डाक प्रक्रिया का आज अंतिम दिन है। 7 दुकानों एवं शौचालय युक्त तीन मंजिला कॉम्प्लेक्स के लिए न्यूनतम डाक राशि 32 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी दोपहर 3 बजे तक आवेदन जमा कर सकते हैं, जबकि खुली नीलामी 4 जून को होगी।

इधर, इस परियोजना को लेकर विवाद भी गहरा गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने उपायुक्त पलामू को पत्र लिखकर डाक प्रक्रिया रद्द करने की मांग की है। उनका कहना है कि उक्त यात्री शेड जपला बाजार आने वाले ग्रामीणों और स्थानीय लोगों के लिए भीषण गर्मी व बारिश में राहत का एकमात्र सार्वजनिक ठिकाना है। ऐसे में उसे हटाकर मार्केट कॉम्प्लेक्स बनाना जनहित के विपरीत होगा।अब सबकी निगाहें जिला प्रशासन के अगले कदम और प्रस्तावित नीलामी प्रक्रिया पर टिकी हैं।

कोनार नदी में छाई बहाव मामले की प्रदूषण बोर्ड के निरीक्षक ने की जांच

संवाददाता

बोकारो थर्मल: कोनार नदी के अस्तित्व और पर्यावरण से खिलवाड़ का मामला एक बार फिर गरमा गया है। गुरुवार को तीन नंबर पाइपलाइन फटने के कारण नदी में भारी मात्रा में छाई (ऐश स्लरी) प्रवाहित होने की सूचना पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, धनबाद क्षेत्रीय कार्यालय के निरीक्षक स्वागता महतो शुक्रवार को जांच के लिए बोकारो थर्मल पहुंचे। उन्होंने डीवीसी के पाइपलाइन क्षेत्र और कोनार नदी में छाई बहाव वाले स्थान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान निरीक्षक ने पाया कि शुक्रवार को भी नदी में काफी मात्रा में ऐश स्लरी का बहाव लगातार हो रहा है। नदी की इस दुर्दशा को देखकर बोर्ड के निरीक्षक ने नाराजगी जतायी और तत्काल डीवीसी के विभागीय अधिकारियों को मौके पर तलब किया।

डीवीसी अधिकारियों के तर्कों से नहीं हुए संतुष्ट : सूचना मिलते ही डीवीसी के जीएम नरेश मुरस्कर और वरीय प्रबंधक (मैकेनिकल) सचिन बोदलकर सहित तीन अधिकारी स्थल पर पहुंचे। इसके बाद बोर्ड के निरीक्षक ने सभी अधिकारियों की मौजूदगी में एसटीपी के समीप से होकर नदी में गिरने वाली ऐश स्लरी को देखा और बाद में बाजारटांड़ जाकर उस स्थान का भी मुआयना किया, जहां पाइप फटी थी। पूछताछ में जीएम नरेश मुरस्कर और सचिन बोदलकर ने निरीक्षक को बताया कि गुरुवार की सुबह लगभग सात बजे पाइप अचानक फट गयी थी। हालांकि शाम करीब चार बजे तक मरम्मत कर ली गयी थी। डीवीसी अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में केवल एक ही पाइपलाइन चालू अवस्था में है। स्थानीय लोगों ने बाकी के क्षतिग्रस्त पाइपों की मरम्मत कार्य नहीं करने दिये, जिससे आये दिन इस तरह की तकनीकी खराबी आ जाती है। उन्होंने बोर्ड को आश्वस्त करने का प्रयास किया कि डीवीसी द्वारा सभी पुराने पाइपों को बदलने के लिए निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। हालांकि डीवीसी अधिकारियों से प्रदूषण बोर्ड के निरीक्षक संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने डीवीसी प्रबंधन की इस कार्यशैली पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि डीवीसी बोकारो थर्मल का पावर प्लांट पूरे क्षेत्र में एकमात्र ऐसा संयंत्र बन चुका है, जहां इस तरह की बड़ी घटनाएं या दुर्घटनाएं होने के बावजूद प्रबंधन द्वारा स्थानीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को किसी भी प्रकार की आधिकारिक सूचना नहीं दी जाती है। उन्होंने इस पूरी लापरवाही को आपराधिक घटना करार दिया।

नदी में ऐश स्लरी का बहाव नियमों का खुला उल्लंघन : बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए बोर्ड निरीक्षक स्वागता महतो ने स्पष्ट किया कि जांच में आज भी नदी के भीतर ऐश स्लरी का बहाव पाया गया है, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इस तरह की घटना की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय रांची भेज कर कार्रवाई की अनुशंसा की गयी थी और आज की इस ताजा जांच की रिपोर्ट भी तुरंत रांची मुख्यालय को भेजी जायेगी, ताकि प्रबंधन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

माता मरियम प्रोसेशन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, प्रेम, शांति और एकता का दिया संदेश

संवाददाता

सिमडेगा: जिला के ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत पंचायत ताराबोगा के ताराबोगा गिरिजा टोली एवं जिलिंगा गौरीडुबा गांव में माता मरियम माह के अवसर पर भव्य प्रोसेशन, रोजरी प्रार्थना एवं विशेष धार्मिक सभा का आयोजन किया गया। शुक्रवार रात्रि आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लेकर अपनी आस्था प्रकट की। पूरा क्षेत्र माता मरियम की स्तुति, भक्ति गीतों एवं प्रार्थनाओं से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि भारत आदिवासी पार्टी के सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की, प्रचारक, पंच, महिला संघ अध्यक्ष एवं युवा संघ अध्यक्ष ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया तथा माता मरियम की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धा अर्पित करते हुए क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

मई माह को संपूर्ण कलीसिया माता मरियम के विशेष माह के रूप में मनाती है। इसी अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने माता मरियम के जीवन, त्याग, विश्वास एवं परमेश्वर के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए विशेष प्रार्थनाएं कीं। प्रोसेशन के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों एवं मरियम स्तुति के साथ गांव की गलियों से होकर गुजरे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अमृत चिराग तिर्की ने कहा कि माता मरियम का जीवन सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि माता मरियम ने अपने विश्वास, धैर्य और समर्पण के बल पर यह सिद्ध किया कि परमेश्वर पर अटूट भरोसा रखने वाला व्यक्ति हर परिस्थिति में दृढ़ बना रहता है।

उन्होंने कहा माता मरियम का जीवन प्रेम, त्याग, सेवा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। आज जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर प्रेम, भाईचारा, करुणा और मानव सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। समाज में शांति और एकता तभी स्थापित होगी जब हम एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और सेवा की भावना को विकसित करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि धार्मिक आयोजन केवल आस्था का विषय नहीं होते, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का भी माध्यम होते हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक सोच का विकास होता है तथा लोगों के बीच आपसी संबंध और मजबूत होते हैं।

अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं से शिक्षा, अनुशासन एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया तथा कहा कि युवा पीढ़ी यदि नैतिक मूल्यों और मानव सेवा के मार्ग पर चलेगी तो समाज और राष्ट्र का भविष्य और अधिक सशक्त होगा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा भक्ति गीत, स्तुति-आराधना एवं सामूहिक प्रार्थना प्रस्तुत की गई। लोगों ने अपने परिवारों, गांव, क्षेत्र, किसानों, विद्यार्थियों तथा देश की खुशहाली, उन्नति और शांति के लिए विशेष प्रार्थनाएं अर्पित कीं।धार्मिक उत्साह, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण के बीच देर रात्रि कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने माता मरियम के आदर्शों पर चलने तथा प्रेम, शांति, सेवा, भाईचारा एवं मानवता के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

जमशेदपुर के बड़ौदा घाट नदी तट से मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

जमशेदपुर : जिले के बागबेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ौदा घाट नदी तट से शनिवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने नदी किनारे शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद बागबेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 17 से 18 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। काफी प्रयास के बावजूद उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

डूबने से मौत की आशंकाः प्रारंभिक आशंका है कि युवक नदी में नहाने के दौरान डूब गया होगा, जिससे उसकी मौत हुई। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

आसपास के थाना क्षेत्रों से जुटाई जा रही जानकारीः पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों, विशेषकर आदित्यपुर समेत अन्य इलाकों में हाल के दिनों में किसी युवक के डूबने या लापता होने की सूचना की भी जानकारी जुटा रही है। फिलहाल शव की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

महिला से बाइक सवार उचक्कों ने झपटी चेन

सरायढेला : थाना क्षेत्र स्थित सीएमपीएफ को-ऑपरेटिव कॉलोनी दुर्गा मंदिर के पास रहने वाली स्व राजेंद्र गोप की पत्नी सुनीता देवी की चेन बाइक सवार उचक्कों ने झपट ली। बताया जाता है कि शुक्रवार की सुबह करीब पौने सात बजे वह अपने घर के गेट पर खड़ी होकर सब्जी खरीद रही थीं। तभी बाइक पर सवार दो युवक पहुंचे और उनके गले से सोने की चेन झपट ली। सुनीता देवी के शोर मचाने पर आसपास के लोग बाहर निकले, तब तक अपराधी भाग गये।

कॉलोनी में पहले भी घटी है चेन झपटने की घटनाः स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह के समय कॉलोनी में लोगों की आवाजाही रहती है, बावजूद इसके अपराधियों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया। इसके पहले भी कॉलोनी में बाइक सवार अपराधी महिलाओं की चेन झपटकर फरार हो चुके हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

मधुबाना में नये स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का शिलान्यास

हरिहरगंज : पीपरा प्रखंड के मधुबाना गांव के समीप शुक्रवार को 15 वें वित्त आयोग स्वास्थ्य अनुदान मद से तैयार नये स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का जिला परिषद सदस्य ददन पासवान एवं मुखिया राजेश राजवंशी ने संयुक्त रूप से उदघाटन किया। जिला परिषद सदस्य ददन पासवान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य उपकेंद्र बनने से आसपास के गांवों के लोगों को प्राथमिक उपचार और जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। मुखिया राजेश राजवंशी ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार समय की जरूरत है और यह भवन गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। मौके पर संवेदक कैलाश यादव, सुभाष रंजन, रामाशीष यादव, रोहित सिंह, शहराज यादव, अखिलेश सिंह, रविंद्र सिंह, प्रवेश सिंह, रोशन सिंह, विमलेश सिंह, अनिल सिंह, जयप्रकाश सिंह, अर्जुन यादव, श्रीराम, कामेश्वर सिंह समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल ने की 45 चापाकलों की मरम्मत

संवाददाता

चाईबासा : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चाईबासा द्वारा कल यानी 29 मई को जिले के विभिन्न प्रखंडों में ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए विशेष अभियान चलाकर कुल 30 चापाकलों की मरम्मत की गई। इसके अतिरिक्त आरआरपी के तहत 15 चापाकलों की भी मरम्मत की गई। इस प्रकार कुल 45 चापाकलों को मरम्मत कर पुनः चालू कराया गया। इस अभियान के तहत सदर (चाईबासा), झींकपानी, जगन्नाथपुर, नोवामुंडी, टोंटो, तांतनगर, हाटगम्हरिया, मंझगांव एवं कुमारडुंगी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों एवं गांवों में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत की गई।

सदर (चाईबासा) प्रखंड के गाईसूटी पंचायत अंतर्गत फिचिहातु गांव के खास टोला में कुदादा के समीप चापाकल की मरम्मत की गई। वहीं बादुड़ी पंचायत के कातिगुटु गांव में उच्च मध्य विद्यालय, जामुन पुरती एवं जितेन्द्र पुरती के निकट खराब पड़े चापाकलों को ठीक कर चालू कराया गया।

झींकपानी प्रखंड के हाथीमंडा पंचायत अंतर्गत हाथीमंडा गांव में काडे बानरा, साधो सिंह अल्डा एवं सोना बानरा के समीप चापाकलों की मरम्मत की गई। जगन्नाथपुर प्रखंड के जगन्नाथपुर पंचायत में राम मंदिर एवं राहुल रंजन के निकट तथा करजिया पंचायत के देवरासाई गांव में पातर हेम्ब्रम के पास खराब चापाकलों को दुरुस्त किया गया। इसके अतिरिक्त मोंगरा पंचायत के छोटासाई गांव में विद्यालय के सामने स्थित चापाकल को भी ठीक किया गया।

नोवामुंडी प्रखंड के कोटगढ़ पंचायत अंतर्गत कोटगढ़ गांव के किटीसाई में अमूल तिरिया, बोंजसाई में सरस्वती शिशु मंदिर तथा कीर्तन मंदिर के समीप खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत की गई। टोंटो प्रखंड के पुरानापानी पंचायत में मुंडासाई एवं मोतेमापी टोला में बिरी सिंह, अनिता सुंडी एवं अन्य ग्रामीणों के घरों के पास स्थित चापाकलों को पुनः चालू कराया गया।

तांतनगर प्रखंड के पुर्णिया पंचायत अंतर्गत गंगाराम सवैया, जोगेन सवैया, कल्याण स्थल एवं सयोब सवैया के निकट खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत की गई। हाटगम्हरिया प्रखंड के कुसुमुंडा पंचायत स्थित बरूसाई गांव में सोमरा पिंगुवा एवं लखन पिंगुवा के पास चापाकलों को ठीक किया गया। मंझगांव प्रखंड के अधिकारी पंचायत अंतर्गत अधिकारी गांव में चाता साई एवं छोटा राय बिरुवा के समीप खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत की गई। वहीं कुमारडुंगी प्रखंड के कुसमिता पंचायत अंतर्गत बिचाबुरू गांव के बानापदा टोला में सुशील गागराई, कुलचरण गागराई, माना गागराई, मंगु गागराई एवं ज्ञान गागराई के निकट स्थित चापाकलों को दुरुस्त कर ग्रामीणों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई गई।